डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 200 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 29 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

जय जगन्नाथ के जयघोष के साथ शुरू हुई रथयात्रा

● पुरी में भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ निकले जगन्नाथ ● अहमदाबाद में हाथी हुआ बेकाबू, 100 मीटर भागा, एक घायल

पुरी (एजेंसी)। पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई है। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ भक्तों ने खींचा। बलभद्र के बाद देवी सुभद्रा और फिर भगवान जगन्नाथ का रथ खींचा गया। सुबह मंगल आरती और विधि विधान पूजा के बाद भगवान जगन्नाथ को नंदी घोष रथ, देवी सुभद्रा को दर्पदलन और बलभद्र को तालध्वज रथ पर विराजित किया गया। रथ पर भगवान की विधिवत पूजा और भोग हुआ। दोपहर 3 बजे पुरी राजपरिवार के गजपति दिव्य सिंह देव रथ के आगे सोने के झाड़ू से बुहारा लगाकर रथ यात्रा की शुरुआत की। रथ से भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ करीब 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर

पहुंचे। ये उनकी मौसी का घर माना जाता है। उधर, अहमदाबाद समेत देश के कई शहरों में रथ यात्राएं निकाली गई हैं। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई। गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगल आरती की। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पाहिंद विधि कर रथ यात्रा की शुरुआत की। रात तकरीबन 8.30 बजे भगवान वापस मंदिर लौटे। अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शुक्रवार सुबह 10 बजे एक हाथी बेकाबू हो गया और 100 मीटर तक भागा। इसके बाद रथ यात्रा में भगदड़ सी मच गई। लोग इधर-उधर भागते दिखे। बेकाबू हुआ हाथी 17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था।

कोलकाता के कॉलेज कैंपस में लॉ की छात्रा के साथ गैंगरेप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक बार फिर शर्मनाक घटना सामने आई है। दक्षिण कोलकाता में लॉ स्टूडेंट के साथ गैंगरेप किया। यह घटना 25 जून की रात में हुई। इस घटना में पुलिस ने लॉ कॉलेज के दो मौजूदा छात्रों और एक पूर्व छात्र समेत तीन

गिरफ्तार किया है। इनमें टीएमसी की स्टूडेंट विंग के नेता मोनोजीत मिश्रा भी शामिल हैं। मोनोजीत पूर्व में लॉ कॉलेज में तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद की इकाई के अध्यक्ष रह चुके हैं। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में यह घटना लेडी डॉक्टर रेप मर्डर केस के एक साल से भी कम समय बाद सामने आई है। लॉ की स्टूडेंट के साथ गैंगरेप की घटना कॉलेज कैंपस में हुई। आरोपियों को शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना के अलीपुर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने की उम्मीद है, जहां पुलिस आगे की जांच के लिए उनकी रिमांड मांगेगी।

संविधान में 'सोशलिस्ट और सेक्युलर' शब्द पर संग्राम

● आरएसएस के दत्तात्रेय होसबाले बोले-इन दो शब्दों पर बहस हो

कहा-इमरजेंसी के दौरान संसद की अनुमति के बगैर जोड़े गए थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में 'सोशलिस्ट' (समाजवादी) और 'सेक्युलर' (धर्मनिरपेक्ष) शब्दों को लेकर देश में खुली बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये दोनों शब्द मूल संविधान में नहीं थे और इमरजेंसी के दौरान संसद की सहमति

के बिना जोड़ दिए गए थे। होसबाले 26 जून को दिल्ली में आयोजित 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय देश में संसद और न्यायपालिका दोनों काम नहीं कर रही थी। इस दौरान इन दो शब्दों को जोड़ दिया गया। ये शब्द रहें या नहीं, इस पर बहस होनी चाहिए। होसबाले ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा।

होसबाले बोले-पूर्वजों के कारनामों पर माफी मांगें राहुल

होसबाले ने कांग्रेस और खासतौर पर राहुल गांधी पर भी बिना नाम लिए निशाना साधा। होसबाले ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाला गया, 250 से ज्यादा पत्रकारों को कैद किया गया, 60 लाख लोगों की जबरन नसबंदी करवाई गई और न्यायपालिका की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई। अगर ये काम उनके पूर्वजों ने किया था तो उनके नाम पर माफी मांगनी चाहिए। संविधान की प्रस्तावना में 'सोशलिस्ट' (समाजवादी) और 'सेक्युलर' (धर्मनिरपेक्ष) शब्द 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए जोड़े गए। यह संशोधन उस समय हुआ जब देश में आपातकाल (1975–77) लागू था और इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं।

भड़की कांग्रेस

● यह बीजेपी-आरएसएस की साजिश-संविधान से समाजवादी और सेक्युलर शब्दों को हटाए जाने की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मांगों पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस ने कहा है कि यह आरएसएस और भाजपा की बड़ी साजिश का हिस्सा है और वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि संघ ने कभी बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को स्वीकार ही नहीं किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पर लिखा कि संघ ने बाबासाहेब और नेहरू का अपमान किया है।

जज होना 9 से 5 की नौकरी नहीं, यह देश की सेवा है

● सीजेआई बीआर गवई बोले-लेकिन यह मुश्किल है काम ● कॉलेजियम पर कहा-जाति और धर्म चयन के मानदंड नहीं

नागपुर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई का कहना है कि एक जज अकेले काम नहीं कर सकता है। जज होना नौ से पांच की नौकरी नहीं है। यह राष्ट्र की सेवा है, लेकिन यह एक कठिन काम भी है। सीजेआई गवई छत्रपति संभाजी नगर में बॉम्बे हाई कोर्ट, औरंगाबाद बेंच की एडवोकेट यूनियन की तरफ से रखे गए अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को सभी जजों के सर्वोच्च न्यायालय के रूप में काम करना चाहिए, न कि केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश के, इसलिए सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने गुरुवार

को कहा कि वे महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग का समर्थन करते हैं। न्याय हर नागरिक को हर कोने में उपलब्ध होना चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट में वर्तमान में मुंबई की मेन बेंच के अलावा गोवा, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर में सर्किट बेंच हैं। जस्टिस गवई बोले- एक जज को समाज में घुलना-मिलना चाहिए।

भाषा विवाद पर 5 जुलाई को उद्धव-राज की संयुक्त रैली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त रैली निकालेंगे। इससे पहले उद्धव ने 6 जुलाई और मनसे प्रमुख ने 7 जुलाई को रैली निकालने का

ऐलान किया था। उधर, एनसीपी (शरद गुट) चीफ शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों को समर्थन दिया है। पवार ने कहा- महाराष्ट्र में कक्षा 1 से हिंदी अनिवार्य नहीं की जानी चाहिए। अगर कोई नई भाषा शुरू की जानी है तो उसे कक्षा 5 के बाद ही शुरू किया जाना चाहिए। दरअसल, सरकार ने इसी साल अप्रैल में हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया था।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षामंत्री को गिफ्ट की मधुबनी पेंटिंग

● वन टु वन मीटिंग में कहा-सैनिकों की वापसी से जुड़े समझौते का पालन हो

बीजिंग (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच शुक्रवार को एससीओ समिट की साइडलाइन में रक्षा मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीनी रक्षामंत्री एडमिरल डोंग जुन शामिल हुए। राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की। इस बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों को बेहतर करने के लिए एडमिरल डोंग जुन को 4 पॉइंट वाला प्लान

पेश किया है। सैनिकों की वापसी से जुड़े 2024 के समझौते का पूरी तरह पालन हो। सीमा पर तनाव कम करने के लिए प्रयास जारी रखना। बॉर्डर तय करने की प्रकिया को तेज करना। मतभेदों को सुलझाने और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रतिनिधियों के स्तर पर बातचीत करना। बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने बताया कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर रचनात्मक बातचीत हुई। -संबंधित खबर पेज 12 पर

मैदान-पहाड़ सब लाचार, भारी बारिश से हाहाकार

● अहमदाबाद-सूरत में बाढ़, घरों तक में घुस गया पानी ● उत्तराखंड के केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, यात्री फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 एमएम हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं। इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा

है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गड़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे। वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है, जिससे यात्रियों की आवाजाही रुक गई है।

प्लेन क्रैश की जांच टीम में शामिल नहीं होगा यूएन अफसर

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान क्रैश की जांच टीम में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अधिकारी को शामिल नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की

विमानन एजेंसी आईसीएओ (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन) ने भारत सरकार को अपने एक अधिकारी की मदद देने की पेशकश की थी। यह अधिकारी पहले से ही भारत में मौजूद था।

सीएम काफिले की गाड़ियों में डीजल के साथ भरा पानी

● एक के बाद एक 19 कारें हो गई बंद, एमपी में कोहराम ● इंदौर से दूसरी मंगवाई गई, रतलाम में पेट्रोल पंप किया सील

रतलाम (एजेंसी)। रतलाम में शुक्रवार को रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव- एमपी राइज 2025 आयोजित हुई। कॉन्क्लेव में सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए। सीएम के काफिले के लिए इंदौर से आई 19 इनोवा कार गुरुवार रात पेट्रोल पंप से डीजल भरवाने के बाद कुछ दूरी पर जाकर एक के बाद एक बंद हो गईं। इससे हड़कंप मच गया। गाड़ियों के टैंक खोलकर देखे गए तो उनमें डीजल के साथ पानी निकला। रात में ही अफसर मौके पर पहुंचे। पेट्रोल पंप को सील कर दिया। फिर इंदौर से दूसरी गाड़ियों का अरेंजमेंट किया। दरअसल, शुक्रवार को कॉन्क्लेव में सीएम के अलावा कई वीआईपी भी आए थे। जिला प्रशासन के अधिकारी गुरुवार दिनभर से इसके लिए तैयारियों में जुटे थे। इसी के मद्देनजर पुलिस ने सीएम कारकेट का ट्रायल भी किया। रात करीब 10 बजे सीएम कारकेट की 19 इनोवा कारें शहरी सीमा के डोसीगांव स्थित भारत पेट्रोलियम के शक्ति फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाने पहुंचीं। डीजल भरवाने के बाद गाड़ियां आगे बढ़ीं तो कुछ दूर जाकर रुक गईं। धक्का लगाकर गाड़ियों को सड़क के किनारे खड़ा करना पड़ा।

सोनम के 2 राजदार, जिन्होंने कोर्ट रूम में कर दिया 'खेला'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनम रघुवंशी... लंबे वक्त तक खबरों में रहने के बाद भले ही ये नाम अब कम सुनाई दे रहा हो, लेकिन कहानी अभी खत्म

नहीं हुई है। सोनम पुलिस की गिरफ्त में है और उसके राज धीरे-धीरे उसकी साजिश की सारी परतों को खोल रहे हैं। राजा रघुवंशी के परिवार की मांग है कि उनके बेटे को, उनसे छीनने वालों को फांसी की सजा मिले, लेकिन कहानी में फिर से एक नया मोड़ आता हुआ नजर आ रहा है। दरअसल, इस मामले में सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा के अलावा जिन तीन आरोपियों को पहले ही दिन पकड़ा गया था, उन्होंने कोर्ट में केस को घुमा दिया है। इंदौर से हनीमून मनाने मेघालय आए राजा रघुवंशी की हत्या 23 मई को हुई थी और करीब 11 दिन बाद उनकी लाश शिलॉन्ग की एक खाई में मिली। शुरुआत में माना गया कि राजा की हत्या हो गई और सोनम को अगवा कर लिया गया है। लेकिन, तफ्तीश में मेघालय पुलिस को सोनम की साजिश के सुराग मिल गए।

भारत-अमेरिका के बीच 'बड़ी' ट्रेड डील की उम्मीद

● ट्रम्प बोले हमने कल ही चीन के साथ डील साइन की, अब भारत के साथ होने वाली है

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक 'बड़ी' ट्रेड डील होने वाली है। ये बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में हुए 'बिग ब्यूटीफुल बिल' इवेंट में कही। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में चीन के साथ व्यापार समझौता किया है और अब भारत के साथ भी ऐसा ही कुछ बड़ा होने वाला है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100

देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है। ट्रम्प का कहना है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। - संबंधित खबर पेज 12 पर

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

अंतरिक्ष में भारत की उड़ान नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ती आकांक्षाएं

"आसमान को छूना ही नहीं, उससे आगे भी जाना है।" यह सोच अब भारत की अंतरिक्ष यात्रा का परिचायक बन चुकी है। एक समय था जब भारत तकनीक और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था, आज वही भारत अंतरिक्ष में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अपने प्रयासों और कम लागत में सटीक तकनीकी क्षमताओं से दुनिया को चौंकाया है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 1962 में विक्रम साराभाई के नेतृत्व में हुई। 1963 में थुम्बा (केरल) से पहला साउंडिंग रॉकेट छोड़ा गया। 1975 में भारत ने पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' लॉन्च किया। ये कदम आज अंतरिक्ष में भारत की मजबूती की बुनियाद बने। चंद्रयान-1 मिशन ने चांद पर पानी की मौजूदगी का पता लगाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। भारत ने मंगल की यात्रा में भी इतिहास रच दिया जब 2014 में पहले ही प्रयास में 'मंगलयान' ने सफलतापूर्वक कक्षा में प्रवेश किया। यह सफलता न केवल भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रमाण थी, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी था कि भारत सीमित संसाधनों में भी असंभव को संभव कर सकता है।

चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत को एक नई ऊंचाई दी। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत ने साबित कर दिया कि अब उसकी दृष्टि भविष्य की अंतरिक्ष शक्ति बनने पर है। इसके बाद सूर्य के अध्ययन के लिए 'आदित्य L1' मिशन का प्रक्षेपण हुआ, जो सौर तूफानों, सौर हवाओं और सूर्य की गतिविधियों के रहस्यों से पर्दा उठाने में मदद करेगा।

अब भारत की नजर 'गगनयान' मिशन पर है। गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन होगा, जिसमें भारतीय वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे। इससे भारत, रूस, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का चौथा ऐसा देश बनेगा जिसने स्वदेशी तकनीक से मानव को अंतरिक्ष में भेजा होगा। यह मिशन भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा।

आज अंतरिक्ष का क्षेत्र केवल विज्ञान या अनुसंधान तक सीमित नहीं है। यह अब रणनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक शक्ति का केंद्र भी बन चुका है। उपग्रह संचार, नेविगेशन, मौसम पूर्वानुमान, कृषि निगरानी, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन जैसे कई क्षेत्रों में अंतरिक्ष तकनीक की अहम भूमिका है। भारत ने अब तक 400 से अधिक विदेशी उपग्रह लॉन्च कर अंतरिक्ष बाजार में अपनी जगह मजबूत कर ली है, जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आर्थिक लाभ भी दे रहा है।

वर्तमान में, भारत ने अंतरिक्ष रक्षा क्षमताओं पर भी फोकस बढ़ाया है। एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण कर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरिक्ष में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और संभावित खतरों को देखते हुए यह रणनीतिक तैयारी भारत की सुरक्षा नीतियों को और मजबूत बनाती है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए भारत ने IN-SPACe और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड जैसी संस्थाओं का गठन किया है, जिससे निजी कंपनियां और स्टार्टअप भी लॉन्च सेवाओं, सैटेलाइट निर्माण और अन्य तकनीकी सेवाओं में योगदान कर सकें। इससे भारत में रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत के सामने कई चुनौतियां भी हैं। स्पेस डेब्री की समस्या, तकनीकी अद्यतन, भारी पेलोड लॉन्च करने की क्षमता में बढ़ोतरी, दीर्घकालीन अंतरिक्ष यात्राओं के लिए जीवन समर्थन प्रणाली विकसित करना और अंतरिक्ष कानून एवं नीति का सशक्त ढांचा बनाना जैसे क्षेत्र अभी और सुदृढ़ करने होंगे।

फिर भी इन चुनौतियों के बावजूद भारत ने जिस प्रकार से अंतरिक्ष में आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं, वह आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष में वैश्विक शक्ति बनाने की ओर अग्रसर कर रहे हैं। चंद्रयान, मंगलयान और अब गगनयान, इन सब प्रयासों ने देश के युवाओं में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि और आत्मविश्वास बढ़ाया है।

इंदिरा गांधी की लोकप्रियता से विवादों तक का सफर

लोकप्रियता से तानाशाही तक: इंदिरा गांधी और आपातकाल का काला अध्याय

डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि यदि राजनीतिक दल पक्षपातपूर्ण हितों से ऊपर उठने में विफल रहते हैं तो भारतीय स्वतंत्रता खतरे में पड़ जायेगी। अतः देशवासियों को अपनी आजादी की रक्षा के लिए अपने खून की आखिरी बूँद तक लड़ने का संकल्प लेना चाहिए।लेकिन देश को आजादी के कुछ समय बाद ही आज से पचास वर्ष पूर्व इस खतरनाक स्थिति का सामना करना पड़ा। 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी। यद्यपि 1971 में हीं बांग्लादेश युद्ध में भारत को ऐतिहासिक जीत मिली। लेकिन इसके बाद शनैः शनैः गांधी के कार्य एवं व्यवहार में भ्रष्टाचार एवं चाटुकारिता के गुण दिखाई देने लगें। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी खराब शासन भ्रष्टाचार और आर्थिक मंदी के कारण जनता में अलोकप्रिय हो गई थी। देश की जनता का मूड पूरी तरह बदल चुका था तथा बहुत कम लोग इंदिरा गांधी के पक्ष में खड़े थे। इन परिस्थितियों में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं ने ही इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री के पद से हटाने के लिए सक्रिय रूप से साजिश रचनी शुरू कर दी। निजलिंगप्पा ने अपनी डायरी में लिखाः 'मुझे यकीन नहीं है कि वह(श्रीमती गांधी) प्रधानमंत्री के रूप में बने रहने की हकदार हैं। संभवतः जल्द ही कोई टकराव हो सकता है। और आगे उन्होंने लिखा कि देसाई ने प्रधानमंत्री को हटाए जाने की आवश्यकता पर चर्चा की।' वर्ष 1971 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी के सामने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से लड़े राज नारायण ने इंदिरा गांधी पर सरकारी मदद से चुनाव जीतने का आरोप लगाकर हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा की पीठ में भारतीय जनसंघ के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, सत्य प्रकाश मालवीय, पीएमओ में कार्यरत टीएन शेषन, यशपाल कपूर सहित 50 से अधिक लोगों की गवाही उपरांत दिनांक 12 जून, 1975 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को गैर-कानूनी ठहराते हुए रायबरेली से उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी और 6 वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी। श्रीमती इंदिरा गांधी ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इसी समय दल विहीन लोकतंत्र के प्रवर्तक जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में भारत में आर्थिक राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक सुधारों के लिए युवा-शक्ति आंदोलनरत थी। आंदोलन की शुरूआत बिहार में हुई शीघ्र ही यह गुजरात नवनिर्माण आंदोलन से शुरू होकर बिहार छात्र संघर्ष आंदोलन के साथ पूरे देश में जन आंदोलन के रूप में विकसित हो गया और जन आंदोलन ने एक राष्ट्रीय अपील पैदा की।इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय आने पर श्रीमती इंदिरा के त्याग पत्र की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने मिलकर 25 जून को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक सभा का आयोजन रखा। जयप्रकाश नारायण ने अपने भाषण की शुरूआत रामधारी सिंह दिनकर की निम्न पंक्तियों के साथ की- "दो राह, समय के रथ का घर्घर-नाद सुनो, सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।" सभा में जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा सरकार को अवैध बताते हुए उनके इस्तीफे की मांग की तथा सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आदेश नहीं मानने का कहा। दिल्ली और अन्य स्थानों पर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग करते हुए सार्वजनिक रैलिया हुई।

संजय गांधी विरोधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के पक्ष में थे। 25 जून की रात को 11.45 बजे तत्कालीन राष्ट्रपति फखरूद्दीन अली अहमद से संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक आपातकाल वाले अध्यादेश पर हस्ताक्षर करवायें और अगली सुबह 6 बजे मंत्रिमण्डल की आपात बैठक में आपातकाल का अनुमोदन करवाया गया। श्रीमती इंदिरा गांधी ने सुबह रेडियो संदेश दिया, "भाइयों और बहनों राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की हैं इससे आतंकित होने की जरूरत नहीं है।" इस प्रकार 25/26 जून, 1975 की मध्य रात्रि से देश में आपातकाल लागू कर दिया गया। भारत के लिए आजादी की रात जितनी छोटी थी, आपातकाल घोषणा की रात उतनी ही लम्बी साबित हुई। इंदिरा गांधी लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में घोषणा कर सकती थी कि लोकसभा भंग कर दी जायेगी और शीघ्र ही नये चुनाव करवाये जायेंगे लेकिन इंदिरा गांधी के सभी दावों के बावजूद, यह स्पष्ट तथ्य था कि यह उनकी अपनी कुर्सी बचाने के लिए किया गया था। इस घोषणा ने संविधान के संघीय प्रावधानों, मौलिक अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं को निलंबित कर दिया। इसके बाद भारतीय लोकतंत्र को नष्ट एवं कमजोर करने तथा भारत को जेल में बदलने के चौंकाने वाले व्यवस्थित एवं बेशर्म प्रयास किये गये। जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, चंद्रशेखर, जार्ड फर्नांडिस, अरूण जेटली जैसे बड़े नेता लोगों को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम(MISA) के तहत हिरासत में ले लिया गया। कई शिक्षाविदों अखबार वालों, ट्रेड यूनियन वादियों और छात्र नेताओं को भी सलाखों के पीछे डाल दिया गया। आपातकाल के उन काले दिनों में लगभग 35 हजार व्यक्तियों को मीसा के तहत हिरासत में लिया गया और 75 हजार से अधिक लोगों को कुख्यात भारत रक्षा अधिनियम (डी.आई.आर.) के तहत हिरासत में लिया गया। इसी के साथ लाखों लोगों को विभिन्न कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया जिनमें 9 वर्ष से लेकर 90 वर्ष से अधिक आयु के लोग शामिल थे।

भारतीय जनसंघ और राष्ट्रवादी विचारधारा के समर्थकों ने असाधारण साहस और दृढ़ता का परिचय दिया तथा लोकतंत्र सेनानियों ने जेल में सत्याग्रह कर आपातकाल का विरोध किया। प्रेस सेंसरशिप के कारण स्वतंत्र पत्रकारिता भी प्रभावित हुई। जहां अखबार छपते थे वहां बिजली आपूर्ति बाधित की गई। कुलदीप नैयर जैसे पत्रकारों को भी मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी जो कि सरकार या कांग्रेस में कोई भी पद नहीं रखते थे फिर भी एक समानान्तर सत्ता के रूप में उभरे, जो सरकार और प्रशासन के कामकाज में अपनी मर्जी से हस्तक्षेप करते थे। कैबिनेट मंत्रियों, कांग्रेस नेताओं, मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ सिविल सेवकों ने उनका स्वागत किया एवं उनकी बात मानी और युवा कांग्रेस नेता के रूप में संजय गांधी ने मूल पार्टी को टक्कर देना शुरू कर दिया। संजय गांधी झुग्गी-झोपड़ियों, सड़कों, बाजारों, पार्कों, स्मारकों आदि में बाधा डालने वाले अनाधिकृत संरचनाओं को हटाकर शहरों को सुन्दर बनाने के लिए दृढ़संकल्पित थे। यह कार्य प्रोत्साहन एवं आग्रह की बजाय जबरदस्ती एवं दबाव पूर्वक किया गया था। यह कार्य दिल्ली एवं आस-पास के शहरों में मुख्य रूप से हुआ। तुर्कमान गेट विध्वंस जैसी त्रासदी नई दिल्ली में घटित हुई। तुर्कमान गेट के सौंदर्यीकरण के नाम पर एक सशस्त्र सरकारी मशीनरी बुलडोजर एवं भारी पुलिस जाप्ते के साथ वहाँ पहुंची तो स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया तो उन पर गोलियां चलाई गई जिसके फलस्वरूप असंख्य मौंते हुई और अनेक लोग घायल हुए। जिसके सटीक आँकड़े सरकार द्वारा जारी नहीं किये गये। सैंसरशिप के कारण मीडिया भी इसकी रिपोर्ट नहीं कर सका। इसी तरह संजय गांधी के इशारे पर जबरन नसबंदी अभियान आक्रामक रूप से चलाया गया। संजय गांधी की देखरेख में 8 मिलियन से अधिक नसबंदी शिविरों का संचालन हुआ था। सितम्बर 1976 में भारत में 1.7 मिलियन से अधिक नसबंदी दर्ज की गई। आम नागरिकों को उनके शरीर पर नियन्त्रण से वंचित होना पड़ा। रेल में बिना टिकट पकड़े जाने पर नसबंदी करना, सबसे गरीब व सबसे कमजोर नागरिकों को नसबंदी शिविरों में भेजने के लिए संजय गांधी के बुलडोजर गिरोह ने वह सब किया जो उनसे अपेक्षित था। सरकारी अधिकारी जो पदोन्नति पेंशन एवं अन्य लाभ चाहते थे उन्हें नसबंदी की संख्या में वृद्धि करनी पड़ती थी। इसके लिए कई अविवाहित युवकों की भी जबरदस्ती नसबंदी करवा दी गई। जो लोग नसबंदी के जाल से बचकर व्यक्तिगत सम्मान व गरिमा का जीवन जीना चाहते थे, वे आतंक में रहते थे। नृवंशविज्ञानी एम्मा टार्लो ने दिल्ली में नसबंदी शिविरों के अत्याचार के अपने विवरण में लिखा हैं कि 'जो कोई भी बच निकला उसके लिए सार्वजनिक स्थान, स्कूल, अस्पताल, सरकारी कार्यालय इत्यादि से बचना चाहिए।' संजय गांधी और उनकी मंडली राष्ट्रपति प्रणाली की सरकार की ओर बढ़ना चाहते थे और उन्होंने चार राज्य विधानसभाओं से एक नई संविधान सभा के गठन के लिए प्रस्ताव भी पारित करवा लिए थे। संजय की कोर टीम के सदस्य व हरियाणा के मुख्यमंत्री बंसी लाल ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि "चुनावी बकवास से छुटकारा पाओ।

बस हमारी बहन (श्रीमती गांधी) को आजीवन राष्ट्रपति बना दो और कुछ करने की जरूरत नहीं हैं।"इस प्रकार हिन्दी हार्ट लैंड संजय गांधी के लिए खेल का मैदान बन गई। कार्यपालिका की शक्ति को असाधारण रूप से मजबूत करने से श्रीमती इंदिरा गांधी को न्यायपालिका के कार्यों और शक्तियों को चुनौती देने में मदद मिली, जिसकी परिणति न्यायाधीशों की उपेक्षा करके प्रधानमंत्री के अधिकार के दावे और अप्रैल 1973 में सर्वोच्च न्यायालय में एक विनम्र मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति के रूप में हुई। एक शांत सर्वोच्च न्यायालय ने आपातकाल के दौरान कार्यपालिका की कार्यवाही का समर्थन किया।

बंदी प्रत्यक्षीकरण या एडीएम जबलपुर बनाम शिवकान्त शुक्ला मामले में कार्यपालिका से असहमत होने वाले न्यायमूर्ति हंसराज खन्ना को भारत के मुख्य न्यायाधीश के पद से वंचित रखते हुए उनसे जूनियर जस्टिस मिर्जा हमीदुल्लाह बेग को भारत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। सरकार के इस निर्णय के विरोध में न्यायमूर्ति खन्ना ने तुरंत अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया। न्यायमूर्ति खन्ना के समर्थन में अखबारों ने कॉलम लिखे तथा देशभर के वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश पद के लिए जस्टिस खन्ना को नकारने के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पारित किये। 25 जून 1975 को थोपा गया आपातकाल 21 मार्च 1977 को खत्म हुआ।

आपातकाल का यह काला अध्याय मात्र एक राजनैतिक निर्णय नहीं था अपितु लोकतंत्र के खिलाफ "संविधान की हत्या" थी जिसमें देश की सबसे बड़ी ताकत जनता की आवाज को कुचलने का प्रयास किया गया। भारत भूमि लोकतंत्र की जन्मस्थली है जहां वैशाली जैसे महान गणराज्य थे। हमारा संविधान हमारे देश की इसी अंतर्निहित प्रकृति का परिणाम हैं। हमारे लोकतंत्र की जड़े इतनी गहरी हैं कि कोई भी तानाशाह इसे नष्ट करना चाहेगा तो वह स्वयं नष्ट हो जायेगा।

आपातकाल का समय यह भी बताता है कि सत्ता में बैठे लोग जब संविधान और संस्थाओं की अवहेलना करते है तो लोकतंत्र खतरे में पड़ जाता है और लोकतंत्र केवल एक व्यवस्था नहीं, यह जनता का विश्वास है जिसे कायम रखने के लिए सभी नागरिकों को सतर्क, जिम्मेदार एवं जागरूक बने रहना होगा।

नबी का अमली नमूना और तंदरुस्ती, इस्लाम में कसरत क्यों ज़रूरी है?

-कुरआन व हदीस में सेहत और तंदुरुस्ती की हिदायतें

इस्लाम इंसान की ज़िंदगी के हर पहलू को संवारने वाला मज़हब है। यह सिर्फ इबादत और रूहानी तरक्की पर ज़ोर नहीं देता, बल्कि जिस्मानी सेहत और तंदुरुस्ती को भी अहमियत देता है। आज के दौर में जहां लोग तनाव, मोटापा और बीमारियों से परेशान हैं, इस्लाम की तालीम हमें याद दिलाती है कि सेहत एक नेमत है और इसकी हिफाज़त हमारी जिम्मेदारी है।

सेहत, अल्लाह की अमानत है

कुरआन में अल्लाह तआला इरशाद फरमाता है: "और अपने हाथों से खुद को हलाकत में मत डालो।"

(सूरह अल-बक़रह 2:195)

यह आयत बताती है कि जिस्म की हिफाज़त और इसकी देखभाल करना इंसान की जिम्मेदारी है। जब इंसान कसरत करता है और तंदुरुस्त रहता है, तो वह अल्लाह की इस अमानत की हिफाज़त कर रहा होता है।

नबी का अमली नमूना

हदीस में है: "ताक़तवर मोमिन कमजोर मोमिन से बेहतर और अल्लाह को ज्यादा पसंद है।"

(सहीह मुस्लिम)

यह हदीस बताती है कि जिस्मानी ताकत और फुर्ती हासिल करना सिर्फ खेल या शौक नहीं बल्कि दीन का हिस्सा है। नबी तैराकी, घुड़सवारी और तीरंदाजी जैसी जिस्मानी मश्कें करने की तरगीब देते थे, और खुद अमली तौर पर इसमें हिस्सा लेते थे।

कसरत और सुन्नत

पैदल चलना: हदीसों में आता है कि नबी तेज़ क़दमों से चलते थे। यह तरीका पैदल चलने को सुन्नत बना देता है।

तैराकी: "अपने बच्चों को तैराकी, तीरंदाजी और घुड़सवारी सिखाओ।" (मुस्नद अहमद)

कुश्ती: नबी ने हज़रत रुकाना रज़ि० से कुश्ती लड़ी, जिससे साबित होता है कि ताकत और फिटनेस हासिल करना दीन का हिस्सा है।

कसरत क्यों ज़रूरी है

आज के दौर में डायबिटीज़, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और दिल की बीमारियाँ बढ़ती जा रही हैं। इस्लाम हमें सुस्ती से निकल कर एक्टिव रहने की सीख देता है ताकि हम तंदुरुस्त रहकर अपने दीन और दुनिया की जिम्मेदारियों को निभा सकें।

इबादत में आसानी

जिस्मानी सेहत अच्छी होगी तो नमाज़, रोज़ा, हज और दीनी काम आसानी से होंगे। एक तंदुरुस्त इंसान ज्यादा देर तक इबादत में खड़े रह सकता है और उसका दिल इबादत में लगेगा। समाज और घर की जिम्मेदारी निभाने में मददगार, बीमार और कमजोर इंसान पर दूसरों का बोझ बढ़ता है, जबकि एक सेहतमंद इंसान अपने घर, समाज और मुल्क के लिए ज़्यादा काम कर सकता है।

मानसिक तंदरुस्ती

कसरत करने से दिमागी सुकून मिलता है, तनाव और चिंता कम होती है, जिससे इंसान को इबादत में दिल लगाने में मदद मिलती है।

कुरआन में तंदुरुस्ती की तरगीब

कुरआन में अल्लाह तआला ने हलाल, पाकीज़ा और सेहतमंद चीज़ें खाने का हुक्म दिया है।

"और जो पाक चीज़ें हमने तुम्हें दी हैं, उनमें से खाओ।"

(सूरह अल-बक़रह 2:172)

इससे साबित होता है कि हेल्दी खाना और तंदरुस्त रहने की कोशिश करना इस्लामी हिदायतों का हिस्सा है।

तंदुरुस्ती की हिफाजत: एक **इबादत**

हदीस में आता है:"दो नेमतें हैं जिनकी कदर बहुत लोग नहीं करते: सेहत और फुर्सत।"

(सहीह बुखारी)

इस हदीस से साफ जाहिर है कि जब तक सेहत है, इंसान को इसका फायदा उठाते हुए ज्यादा से ज्यादा नेक काम और इबादत करनी चाहिए।

खेल और कसरत: इस्लामी नजरिया

इस्लाम में खेल और कसरत को जायज और पसंदीदा करार दिया गया है, बशर्ते कि उनमें शरई हदों का ख्याल रखा जाए। खेल में दांव-पेंच, झूठ और बेहयाई जैसी चीज़ें शामिल न हों, तो यह दीन और दुनिया की भलाई का जरिया बन सकता है।

कसरत कैसे शुरू करें

रोज़ाना कम से कम 30 मिनट वॉक करें। हफ्ते में 3-4 बार हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें। मुनासिब और हल्का खाना खाएँ। पूरी नींद लें और सुस्ती से बचें। घर और दफ्तर में लिफ्ट के बजाय सीढ़ियाँ इस्तेमाल करें।

आज की ज़रूरत

आज मोबाइल, सोशल मीडिया और टीवी ने इंसान को बिठा कर रख दिया है। बच्चों ने बाहर खेलना छोड़ दिया है और बड़े लोग घर में बैठे-बैठे बीमार हो रहे हैं। ऐसे में इस्लाम की यह हिदायत हमें याद दिलाती है कि तंदरुस्त रहना अल्लाह की नेमत की कदर करने का तरीका है और यह हमें दीन और दुनिया दोनों में कामयाब बनाता है। इस्लाम में कसरत करना और तंदरुस्त रहना सिर्फ शौक या खेल नहीं बल्कि दीन की जिम्मेदारी है। हमें चाहिए कि हम रोजमर्रा की जिंदगी में वॉक, कसरत और खेल को शामिल करें ताकि हम अपने घर, समाज और दीन की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकें और अपनी आखिरत संवार सकें।

कैसे भाजपा ने कदम दर कदम बढ़ाया अपना जनाधार ?

आज की भाजपा को देखें तो इसने आजादी के बाद न सिर्फ अपना नाम बदला, बल्कि अपने सामाजिक आधार में भी बड़ा बदलाव किया है। 1951 से 1977 के बीच इसे जनसंघ के नाम से जानते थे। फिर 1977 से 1980 के बीच यह जनता पार्टी हुई और अंततः 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी ने इसे भारतीय जनता पार्टी के तौर पर स्थापित किया।

बीते दशकों में पार्टी का जनाधार बहुत तेजी से बढ़ा है, जिसके चलते कुछ दशकों तक भारतीय राजनीति के हाशिए पर रही भाजपा आज पूर्ण चुनावी प्रभुत्व वाली पार्टी बन गई है। एक जमाने में इसे ब्राह्मण-बनिया पार्टी कहा जाता था। लेकिन तब से अब तक पार्टी के समर्थकों में हुए व्यापक बदलाव के चलते अब भाजपा ग्रामीण, बहुजन, निचले और गरीब तबके के मतदाताओं में गहरी जड़ें जमा चुकी है।

यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि पार्टी ने नाम के साथ अपनी विचारधारा, चुनावी-रणनीति और शासन के तौर-तरीकों में भी बदलाव किया। मौजूदा भाजपा की हिन्दत्व विचारधारा का विपक्ष के पास कोई तोड़ नहीं दिख रहा।

राष्ट्रीय गौरव का आभास देने वाला धुर-राष्ट्रवाद, सरकारी योजनाओं के जरिए बनाया गया बड़ा वोट बैंक और पार्टी की वित्तीय और संगठनात्मक ताकत ने आज इसे दुर्जेय बना दिया है। 1996 के लोकसभा चुनाव से अब तक हुए लोकनीति-सीएसडीएस के विभिन्न चुनाव-उपरांत सर्वेक्षणों से मिले प्रमाण यह इशारा करते हैं कि भाजपा ने उन मतदाता वर्गों में भी

गहरी पैठ जमा ली है, जो दशकों तक उसे वोट नहीं देते थे।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी को लेकर भले ही अभी विवाद हो, लेकिन इन सर्वेक्षणों के साक्ष्य बताते हैं कि भाजपा ने इस बड़े मतदाता वर्ग में भी व्यापक समर्थन हासिल किया है। 1996 के चुनाव में महज 19% ओबीसी मतदाताओं ने भाजपा को वोट दिया था, लेकिन 2024 के चुनाव में भाजपा को इस वर्ग के 43% वोट मिले। यह ओबीसी वोटरों में भाजपा के व्यापक तौर पर बढ़े जनाधार को बताता है।

इसी प्रकार भाजपा ने दलित, आदिवासी कहे जाने वाले बहुजन समाज भी में भी अपनी पकड़ मजबूत की है। 1996 के चुनाव में पार्टी को दलित समुदाय के सिर्फ 14% वोट मिले, जो 2024 में बढ़ कर 31% हो गए। आदिवासी मतदाताओं में भी पार्टी ने 1996 के 21% मतों की तुलना में 2024 में 48% वोट हासिल किए।

परंपरागत तौर पर भाजपा को ऐसी पार्टी माना जाता था, जो उच्च और मध्यम वर्ग के मतदाताओं के बीच लोकप्रिय थी। गरीब तबके के वोटरों में पार्टी को उतना पसंद नहीं किया जाता था। लेकिन विभिन्न आर्थिक वर्ग के मतदाताओं के दृष्टिकोण से भी पार्टी के जनाधार में जबर्दस्त परिवर्तन हुआ है।

अब पार्टी उच्च और मध्यम आयवर्ग के साथ ही गरीब वर्ग के मतदाताओं में भी समान रूप से लोकप्रिय है। 2014 के लोकसभा चुनाव में गरीब तबके से जुड़े वोटरों के 24% मत भाजपा को मिले थे, जो 2024 में बढ़कर 37% हो गए।

भाजपा शासित राज्यों में लगातार गरीबों को लाभ देने वाली योजनाएं संचालित की गईं और इसी के कारण यह संभव हो पाया। बहुत कम ही सही, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं के बीच भी पार्टी ने समर्थन हासिल किया है। 1996 के चुनाव में 2% मुस्लिम वोट पार्टी को मिले थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 8% पहुंच गया।

भाजपा के जनाधार में इस विस्तार को न सिर्फ सामुदायिक, बल्कि भौगोलिक नजरिए से भी देखा जा सकता है। शहरी भारत की पार्टी कही जाने वाली पार्टी बीते दशक में गांवों में भी समान रूप से लोकप्रिय हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में जहां पार्टी को 30% ग्रामीण मतदाताओं ने मत दिया, वहीं 2024 में उसे गांवों से 36% वोट मिले।

भाजपा के जनाधार में इस विस्तार ने पार्टी को स्पष्ट तौर पर एक ऐसी पार्टी बना दिया, जिस पर जीत हासिल करना बेहद कठिन है। इस विस्तार के दम पर पार्टी ने ना केवल एक के बाद एक कई चुनाव जीते, बल्कि 14 राज्यों में खुद की और सात राज्यों में गठबंधन दलों के साथ सरकारें बनाईं।

यहां यह भी जोड़ना जरूरी है कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 में लगातार विजय हासिल कर इतिहास भी रच दिया। अटल-आडवाणी के दौर की भाजपा की तुलना में आज की भाजपा के पास तुलनात्मक तौर पर अधिक स्थायी जनाधार है। नई भाजपा टिके रहने के लिए है, क्योंकि आज पार्टी की जड़ें कहीं अधिक गहरी और व्यापक हैं।

एक जमाने में भाजपा को ब्राह्मण-बनिया पार्टी कहा जाता था। लेकिन तब से अब तक पार्टी के समर्थकों में हुए व्यापक बदलाव के चलते वह ग्रामीण, बहुजन, निचले और गरीब तबके के मतदाताओं में भी गहरी जड़ें जमा चुकी है।

अध्यक्ष आरएसपीसीबी ने भविष्य की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के दिए निर्देश

-राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की समीक्षा बैठक

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने मंडल मुख्यालय में पदस्थापित एवं सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अच्छे मानसून को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन सहित विभिन्न हितधारकों के सहयोग से राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण सुनिश्चित करें। डॉ. रवि कुमार सुरपुर शुक्रवार को झालाना में मंडल परिसर स्थित सभागार में राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान एमआईएस 2.0 में उद्योगों के पंजीयन की स्थिति, सीईटीपी और डेटा ट्रांसमिशन से जुड़े स्काडा सिस्टम की कार्यप्रणाली सहित राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं अन्य न्यायालयों के निर्देशों के अनुपालन की स्थिति आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हितधारकों को नई तकनीकों व कानूनों से अवगत कराने और सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालयों को माह में दो दिवस की कार्यशाला का आयोजन करना चाहिए। इसके लिए गैर सरकारी संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय संगठनों आदि का सहयोग लिया जा सकता है।

डॉ. सुरपुर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों को समयबद्धता के साथ निस्तारित करें ताकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के "ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस" के विज़न में मंडल अपनी सार्थक भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए तथा विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन के सहयोग से कार्य को सुनिश्चित करना चाहिए। बैठक का संचालन आरएसपीसीबी के सदस्य सचिव शारदा प्रताप सिंह ने किया।

उन्होंने आरएसपीसीबी अध्यक्ष को अवगत कराया कि मंडल ने गत वर्ष 14.30 लाख से अधिक पौधारोपण किया है तथा इस वर्ष भी मंडल राज्य सरकार द्वारा तय लक्ष्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। उन्होंने बताया कि मियावाकी पद्धति के अनुरूप पाली और भिवाड़ी में एक- एक लाख पौधों का रोपण मंडल व जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। बैठक में आरएसपीसीबी के मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल एवं मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी विक्रम सिंह परिहार सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रभारी, मंडल के अधिकारीगण व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विधान सभा अध्यिक्ष देवनानी को दी बधाई

-प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के मंत्रीगण ने विधानसभा पहुँचकर दी बधाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यकमंत्री भजन लाल शर्मा और प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली और प्रदेश के कई मंत्रीगण, विधायकगण, सांसदगण अन्यल जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठी प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा और उनके विवाह की 50 वीं वर्षगांठ के लिए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। सहकारिता मंत्री गोतम दक और प्रतिपक्ष के नेता जूली ने विधान सभा पहुँचकर देवनानी को पुष्पह गुच्छा भेंट कर बधाई दी। इनके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा विधान सभा सचिवालय के पदाधिकारियों ने देवनानी को बधाई दी।

फ्रांस और जर्मनी यात्रा सार्थक उपयोगी और ज्ञान वर्धक रही-

विधान सभा अध्यरक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को राष्ट्रेमण्डल संसदीय संघ के तत्वाजवधान में 17 से 25 जून तक फ्रांस और जर्मनी की अपने अध्यडयन यात्रा को सार्थक उपयोगी, लाभप्रद और ज्ञानवर्धक बताया है। उन्होंसने कहा कि मेरी यात्रा का उद्देश्यम दोनों देशों की संसदीय प्रक्रियाओं पद्धतियों तथा परम्प।राओं एवं स्थाकनीय संस्कृउति का अध्यनयन करना था। देवनानी ने इस यात्रा के अनुभव और संस्मपरणों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों देशों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्वर में भारत में हो रही प्रगति और नवाचारों को लेकर सकारात्मथक भाव देखा गया है और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और काउन्ट र टेररिज्म पर दोनों देश भारतीय दृष्टिकोण के साथ एक मत दिखाई दिये। देवनानी ने बताया कि फ्रांस और जर्मनी दोनों देशों में भारत की संसद की तरह लोअर हाउस और अपर हाउस की लोकतांत्रिक व्य वस्थाजएं है लेकिन इन देशों में संसदीय चुनाव की पद्धतियां पृथक-पृथक है। फ्रांस में चुनावों में मिलने वाले मत प्रतिशत के आधार पर अपर हाउस के सदस्योंत का मनोनयन होता है। वहीं जर्मनी में स्थालनीय निकाय के मेयर आदि ही स्थाानीय प्रशासन को संचालित करते है वहां पृथक से कोई राज्योंा की व्ययवस्था नहीं है।

विधान सभा अध्यथक्ष देवनानी ने बताया कि यूरोप के देशों में विशेषकर जर्मनी में योग के प्रति विशेष समर्पण और अन्तयर्राष्ट्रीयय योग दिवस के लिए भारत के प्रति आभार का भाव भी देखा गया। वहां विशेष रूप से योग को स्वारस्फ्कि से जोड़कर देखा जाता है। जर्मनी में अधिकांश नागरिकों को सडकों पर साईकिलों से आवागमन करते हुए देखा जाता है तथा वे अपने आप को स्व स्थ। रखने के प्रति अधिक जागरूक है।

देवनानी ने बताया है कि दोनों देशों की इस अध्यतयन यात्रा के दौरान मैंने वहां की नेशनल एसेम्बपली और अन्य संसदीय संस्थाोओं का अवलोकन करने के साथ ही दोनों देशों के सांसदों, प्रशासनिक अधिकारियों और प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात की और वहां की ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा तथा भारतीय दूतावासों में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा दोनों देशों में बसे हुए प्रवासी भारतीयों से भी आत्मीजय मुलाकात की। विशेषकर प्रवासी राजस्थादनियों से भेंट कर उनसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया। उन्हों ने बताया कि फ्रांस और जर्मनी की यात्रा में राजस्थाान विधान सभा में हुए नवाचारों को भी सभी ने सराहा। देवनानी ने बताया कि प्रवासियों ने भारत के विभिन्नभ स्थाानों से इन देशों के लिए सीधी हवाई सेवाएं शुरू करवाने में सहयोग करने का आग्रह किया है, ताकि उन्हीं भारत आने के लिए एक से अधिक फ्लाईटस बदलना नहीं पडे। साथ ही प्रवासियों ने भारत के विभिन्ने शिक्षण संस्था ओं में फ्रांस और जर्मनी भाषा के पाठयक्रम आरम्भ् करवाने की आवश्याकता भी बताई ताकि इन देशों में रोजगार की सम्भासवनाओं के अवसरों को देखते हुए भारत से जाने वाले युवाओं को इन भाषाओं का ज्ञान होने से रोजगार के अधिक अवसर मिल सके। मुझे उम्मीद है कि मेरी यह यात्रा 'राजस्थान-2047: वैश्विक नेतृत्व की ओर' दृष्टिकोण के तहत राज्य के युवाओं, नीति-निर्माताओं और नागरिक समाज के लिए उपयोगी साबित होगी। देवनानी ने बताया कि दोनों देशों ने प्रवासी राजस्था्नियों ने राइजिंग राजस्थापन ग्लोगबल इन्वेंीस्टकमेंट सबमिट की चर्चा की और इसे एक अच्छीप पहल बताते हुए सबमिट में हुए एमओयू को यथा शीघ्र धरातल पर लाने के लिए विशेष प्रयास किये जाने की आवश्येकता बताई। देवनानी ने इस बात पर प्रसन्न ता व्येक्तष की। कि दोनों देशों में प्रवासी भारतीय संस्कृ ति तीज त्योनहारों आदि को आगे बढ़ाने के लिए मिल-जुलकर प्रयास कर रहे है तथा शिक्षा तकनीकी एआई, प्रमाणु ऊर्जा विकास आदि विभिन्नन क्षेत्रों में भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साषहित है।

राजकीय महाविद्यालयों में प्रथम सेमेस्टर में ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 03 जुलाई 2025 तक बढ़ाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय महाविद्यालयों में प्रथम सेमेस्टर के लिए ऑनलाईन प्रवेश करने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 जून से बढ़ाकर 03 जुलाई 2025 कर दी गई है। कॉलेज शिक्षा विभाग के आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा ने बताया की स्नातक प्रथम सेमेस्टर में विभिन्न संकायों में 2,68,142 सीटे उपलब्ध हैं। इनके लिए विद्यार्थी 03 जुलाई 2025 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्रों का ऑनलाईन सत्यापन महाविद्यालयों द्वारा 05 जुलाई 2025 तक किया जा सकेगा। राजकीय महाविद्यालयों में प्रथम अस्थाई प्रतिक्षा सूची 07 जुलाई 2025 को जारी की जायेगी तथा विद्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन एवं ई—मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2025 तक रहेगी। प्रवेशित विद्यार्थियों की सूची का प्रकाशन दिनांक 14 जुलाई को होगा। प्रवेशित विद्यार्थियों का वर्ग एवं विषय आंवटन दिनांक 15 जुलाई एवं प्रथम सेमेस्टर का शिक्षण कार्य बुधवार 16 जुलाई 2025 से प्रारम्भ होगा।

आवेदक ऑनलाईन आवेदन करने हेतु कॉलेज शिक्षा की अधिकृत वेबसाईट

https://dceapp.rajasthan.gov.in पर जाकर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। राजस्थान बोर्ड के विगत तीन सत्रों में उतीर्ण विद्यार्थियों को आवेदन के समय अंकतालिका को अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है, आवेदकों का डेटा जनआधार से लिया जायेगा। प्रवेशार्थी ई—मित्र अथवा अपनी एसएसओ आईडी से घर बैठे राजस्थान से किसी भी महाविद्यालय में आवेदन कर सकते हैं। प्रवेशार्थियों को सलाह दी जाती है कि अंतिम तिथि का इंतजार किये बिना शीघ्र आवेदन करें। स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर / उत्तरार्द्ध में प्रवेश हेतु प्रवेश नवीनीकरण की प्रक्रिया 23 जून से प्रारम्भ कर दी गयी है। विद्यार्थी ई—मित्र के माध्यम से अथवा स्वंय https://dceapp.rajasthan.gov.in पर जाकर शुल्क जमा करवा सकते हैं। स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर / उत्तरार्द्ध में शिक्षण कार्य 01 जुलाई से प्रारम्भ होगा।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर तेजाब से भरा टैंकर पलटा

-रिसाव से हड़कंप, एक तरफ का रास्ता बंद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर-दिल्ली हाईवे स्थित खोजावाला मोड के पास आज सुबह 12 बजे सड़क किनारे खड़ा तेजाब से भरा एक टैंकर पलट गया। टैंकर पलटने पर टैंकर से तेजाब का रिसाव होने लगा। इस पर चालक ने शोर करना शुरू किया। लोगों ने पुलिस और दमकल को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक तरफ का रास्ता रोक दिया है। ट्रैफिक को एक मार्ग से निकाला जा रहा है। वहीं, दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर टैंकर पर पानी डाला। सीओ मुकेश चौधरी ने बताया- चालक ने मुख्य सड़क के किनारे टैंकर को खड़ा किया था। मिट्टी में धंसने से टैंकर पलट गया। इससे तेजाब रिसाव होने लगा। टैंकर गुजरात से तेजाब लेकर दिल्ली होता हुआ यूपी जा रहा था। घटना की जानकारी मिलने पर एक तरफ का रास्ता रोक दिया गया है। पानी का छिड़काव कर तेजाब के असर और गंद को कम किया गया है। क्रेन की सहायता से टैंकर को खड़ा किया जाएगा।

रोजाना लाखों का टोल फिर भी वाहनो को लग रहे झटके

ट्रक यूनियन के अध्यक्ष मुकेश बड़बड़वाल ने बताया- दिल्ली रोड पर शाहपुरा के आसपास की करीब 50 से 70 किलोमीटर की रोड की हालत बहुत खराब है। कई बार एनएचएआई को इस संबंध में पत्र लिखा।

लेकिन कोई एक्शन नहीं हो रहा है। लोग लाखों का टोल देकर खराब, टूटी, गड्ढों वाली सड़कों पर चलने को मजबूर हैं। इस मार्ग पर दुर्घटना होती रहती हैं। इससे लोगों की असमय मौत हो रही है। कुछ दिन पहले भी इसी कारण से एक केमिकल का टैंकर पलटा। इसमें आग भी लगी थी।

हैरानी की बात ये है कि इस संबंध में कई बार जिम्मेदारों को बताया भी गया। लेकिन उनके कान में जूं तक नहीं रेंगती। तेजाब के रिसाव से हाईवे की सड़क को भी नुकसान हुआ है। प्रशासन की ओर से सड़क को साफ करने और तेजाब के असर को खत्म करने के लिए विशेषज्ञों की टीम को बुलाया गया है।

हादसे के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया और कई घंटे तक वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें और हाईवे पर जाने से बचें, ताकि जाम और खतरे से बचा जा सके।

विदेश यात्रा और विवाह की 50वी वर्षगांठ पर विधानसभा अध्यक्ष का अभिनंदन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को फ्रांस और जर्मनी की सफल अध्ययन यात्रा पर शुक्रवार को विधायकगण और विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 50 किलोग्राम फूलों की माला पहनाकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान देवनानी एवं उनकी धर्मपत्नी इंद्रा देवनानी की 50 वीं विवाह वर्षगांठ के अवसर पर भी बधाई दी।

विकास चौधरी, मनीष यादव, नरेंद्र बुडानिया, ताराचंद जैन, रेवतराम राम, विश्वनाथ, दीपचंद खेरिया, जीवतराम, पूसाराम, देवीसिंह शेखावत, उदयलाल डांगी, कैलाशचंद मीणा, चुन्नीलाल सुभाष मील, धर्मपाल, ललित यादव, सुशीला रामेश्वर डूडी हंसराज मीणा, हाकम अली, हरिसिंह रावत, शोभा चौहान, शांता देवी सहित अनेक विधायक गणों ने देवनानी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही, विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के शर्मा और विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देवनानी का अभिनन्दरन किया और उनके नैतिक मूल्यों, सार्वजनिक जीवन की उत्कृष्ठ सेवाओं तथा वैवाहिक जीवन के लिए मंगल कामनाएं दी।

युवाओं को अत्याधुनिक प्रशिक्षण देकर रोजगारपरक बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता

-निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने के लिए उठाए प्रभावी कदम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हम प्रदेश की आधारभूत संरचना, शिक्षा, कृषि और उद्योग क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए ठोस और दीर्घकालिक बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि में एआई के उपयोग से किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी, युवा अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगारपरक बनेंगे तथा निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण से प्रदेश में उद्योग के परिदृश्य में अभूतपूर्व सकारात्मक बदलाव आएगा। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर कृषिगत सुधार, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने तथा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खेती में एआई को बढ़ावा देने के लिए हमने इस वर्ष के बजट में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर' की स्थापना की घोषणा की है। इसके माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस क्षेत्र की चुनौतियों को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण को बढ़ाया जाए जिससे कृषि में गुणात्मक वृद्धि हो सके तथा युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर भी उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों के लिए अपार संभावनाएं हैं। हमारी सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन, उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नीतियां लागू करना, सिंगल विण्डो प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन जैसे निर्णयों से प्रदेश में निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है। इसी क्रम में प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिक पॉलिसी- 2025 लागू की गई है। उन्होंने कहा कि बजट वर्ष 2025-26 में डीएमआईसी (दिल्ली मुम्बई इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर) से लिंक करते हुए लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किए जाने की घोषणा की गई है, जो राज्य की लॉजिस्टिक्स क्षमता को नई ऊंचाइयां देगा। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को 'फ्यूचर रेडी-इंडस्ट्री रेडी' बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं को विश्व स्तरीय रोजगारपरक प्रशिक्षण देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। बैठक में राज्य में कृषि के क्षेत्र में एआई आधारित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस स्थापित करने, शिक्षा के क्षेत्र में पॉलिटेक्निक स्किल डेवलपमेंट सेंटर तथा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने के संबंध में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में स्वयं को बेहतर तरीके से तैयार करें विद्युत निगम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा ने प्रदेश के विद्त निगमों को एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में और अधिक मजबूती के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्त आपूर्ति के साथ—साथ राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

इसके मद्देनजर वितरण निगम ग्रिड के बेहतर प्रबंधन, लोड मैनेजमेंट तथा उपभोक्ता सेवाओं की त्वरित अदायगी पर फोकस करें। प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा का पदभार संभालने के बाद शुक्रवार को जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्त वितरण निगमों एवं अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों के साथ अपनी पहली समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को 24*7 बिजली आपूर्ति के साथ ही आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में डिस्कॉम्स योजनाबद्ध रूप से काम करें।

अजिताभ ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कुसुम योजना में प्रदेश में बेहतर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि एनर्जी ट्रांजिशन की दिशा में विकेंद्रित सौर ऊर्जा को और अधिक प्रतिबद्धता के साथ बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने RDSS योजना, मीटरिंग, उपभोक्ताओं को सुगम सेवाओं आदि विषयों पर भी डिस्कॉम चेयरमैन आरती डोगरा से फीडबैक लिया।

इस अवसर पर अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री रोहित गुप्ता, जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल, अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक श्री केपी वर्मा, ऊर्जा विभाग के संयुक्त सचिव सौरभ स्वामी भी मौजूद रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हैरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

संभागीय आयुक्त कोटा का सर्वोदय ग्रुप द्वारा भव्य स्वागत

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका) शनिवार 28 जून, 2025 को कोटा के संभागीय आयुक्त का सर्वोदय ग्रुप द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

नवींन शैक्षणिक सत्र के प्रारम्भ से पूर्व सर्वोदय एज्यूकेशनल ग्रुप कोटा द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों को पूरे सत्र किये जाने वाले कार्यों से अवगत करवाने के लिए वर्कशॉप आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र सिंह शेखावत, संभागीय आयुक्त, कोटा रहे। राजेन्द्र सिंह शेखावत ने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की नींव बताते हुए कहा कि "सशक्त भारत का सपना, सशक्त शिक्षा व्यवस्था से ही साकार हो सकता है।" उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि मूल्य आधारित शिक्षा, व्यावहारिक ज्ञान और नैतिक मूल्यों की भी आवश्यकता है।

सर्वोदय ग्रुप के चैयरमेन ए.जी. मिर्जा ने विशेष रूप से ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच बढ़ाने पर बल दिया और कहा कि "जब अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे को भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिलेगी, तभी हमारा देश सशक्त कहलाएगा।"

ग्रुप के निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा व डॉ मजहर मिर्जा ने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक उत्तम नागरिक निर्माण की प्रक्रिया है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए छात्रों को वैश्विक स्तर की तैयारी प्रदान करें।

ग्रुप के प्रबन्ध निदेशक शाकिर मिर्जा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोटा शिक्षा नगरी के रूप में देश-विदेश में पहचान रखता है, और हमें इसे गुणवत्ता एवं नवाचार का केंद्र बनाना होगा। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में सोचने, समझने और समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित करें। कार्यक्रम में बी.एड कॉलेज के प्रबन्ध निदेशक डॉ. गिरीश चन्द शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में सभी स्कूल की प्राचार्या संगिता चतुर्वेदी, निधी सक्सेना, फरहत जहां तथा पूजा चौधरी भी उपस्थित रहीं।

अन्त में ग्रुप के चैयरमेन ए.जी मिर्जा, ग्रुप के निदेशक डॉ. अजहर मिर्जा व डॉ. मजहर मिर्जा, ग्रुप के प्रबन्ध निदेशक शाकिर मिर्जा ने संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

दौसा जिले में सालों से बंद 125 रास्ते खुलने से आमजन की राह हुई आसान

-रास्ता खोलो अभियान ग्रामीणों के लिए बना वरदान

दौसा, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचल में शुरु किया गया 'रास्ता खोलो' अभियान दौसा जिले के ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुआ है। इसके तहत सालों से बंद पड़े रास्ते खुलने से आमजन की राह आसान हुई है और आपसी विवादों का समाधान होने से सौहार्द का माहौल बना है। अभियान के दौरान जिले में 125 रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कर खुलवाने से जिलेवासियों को बड़ी राहत मिली है। महवा उपखंड में सबसे अधिक 22 रास्तों से अतिक्रमण हटवाकर आवाजाही शुरु करवाई गई।

जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अप्रेल माह से यह अभियान शुरु किया गया था। इस अभियान के माध्यम से अतिक्रमण की वजह से सालों से बंद रास्तों को खोलकर लोगों की राह को सुगम बनाया गया है। उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदारों के नेतृत्व में राजस्व टीमों ने कुछ मामलों में लोगों से समझाइश कर रास्ते खुलवाए तो कहीं पुलिस की मदद से सार्वजनिक रास्तों से अतिक्रमण हटवाकर चालू करवाया। इनमें से कई रास्ते तो ऐसे हैं, जो कई दशकों से बंद पड़े हुए थे।

इस अभियान से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर अतिक्रमण के 186 प्रकरण दर्ज थे, जिनमें से 125 रास्तों को अभियान में अतिक्रमण मुक्त करवा दिया गया है।

इन रास्तों को ग्रेवल रोड में किया जा रहा है विकसित—

'रास्ता खोलो' अभियान के अंतर्गत खोले गए इन रास्तों पर ग्रेवल रोड निर्माण करवाने के लिए जिला कलेक्टर ने संबंधित विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने बताया कि सालों से बंद पड़े इन रास्तों के खुलने से ग्रामीणों की राह सुगम होने के साथ लोगों के बीच विवाद भी खत्म हुए हैं। सालों से विवादित इन रास्तों को खुलवाने में राजस्व टीमों के साथ पुलिस, जनप्रतिनिधि एवं आमजन का भी सकारात्मक सहयोग रहा।

डाबर कलां में 25 साल से बंद राह खुली—

अभियान में रामगढ़ पचवारा पंचायत समिति की निजामपुर ग्राम पंचायत में डाबरा कलां गांव में 25 साल से बंद रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर खुलवाया गया। सलेमपुरा-राणौली मुख्य सड़क से ग्राम पंचायत निजामपुरा के डाबर कलां गांव को जोड़ने वाला यह रास्ता 25 साल से अतिक्रमण के कारण बंद था। रास्ते की इस रुकावट की वजह से लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस रास्ते को लेकर दोनों तरफ़ से काश्तकारों का विरोध था, जिससे यह रास्ता बंद पड़ा था। प्रशासन ने दो-तीन बार पहले भी इसे खुलवाने का प्रयास किया था लेकिन कामयाबी नहीं मिली थी।

उपखंड प्रशासन ने आसपास के काश्तकारों से संवाद कर इस रास्ते को खुलवाने की सकारात्मक पहल की। राजस्व टीम ने गांव वालों के सहयोग से पुलिस को साथ लेकर 26 जून को सवा किलोमीटर लंबे इस रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाया। इससे अब ग्रामीणों की आवाजाही सुगम हो सकेगी, स्कूली बच्चों के लिए आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी और काश्तकार जरूरी साधन एवं कृषि यंत्र लाने-ले जाने का काम आसानी से कर सकेंगे। ग्रामीणों ने 25 साल से चल रही इस समस्या का हल होने पर खुशी जाहिर की और इस अभियान के माध्यम से किए जा रहे पुनीत कार्यों के लिए राज्य सरकार की सराहना की।

वन एवं बालिका वर्ष 2025 के अन्तर्गत किया गया पौधारोपण

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुक्रवार को रालसा वन एवं बालिका वर्ष 2025 "सृजन की सुरक्षा" ए स्कीम फॉर इको फेमिनिज्म के अन्तर्गत प्रथम चरण में चयनित ग्राम पंचायत जावटी कलां में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत जावटी कलाँ के अन्तर्गत आने वाले गांवों में 1 जनवरी 2025 से 26 जून 2025 तक कुल 11 बालिकाओं का जन्म हुआ हैं। प्रत्येक बालिका के जन्म पर 11 पौधे कुल 121 पौधे लगाये गये। साथ ही ग्राम पंचायत के सरपंच, जनप्रतिनिधि, आमजन, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, अधिकार मित्र, बाल अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति, एक्शन एड यूनिसेफ एन.जी.ओं. के सहयोग से कुल 250 छायादार व फलदार पौधे लगाये गये।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सरिता मीणा ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य मौजूदा कानूनी सेवा ढ़ांचे का लाभ उठाते हुए एक सहयोगी और समुदाय-केन्द्रीत दृष्टिकोण के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना, पर्यावरण की रक्षा करना, कन्याभ्रूण हत्या रोकना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना, पोक्सों अपराध की रोकथाम एवं न्याय तक पहुँच प्रदान करना हैं। इस कार्यक्रम में नवजात बालिकाओं की माताओं को यूनिक आईडेन्टिटी कार्ड फॉर ग्रीन गर्ल वितरित किये गये।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सरिता मीणा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद रवि वर्मा, उपखण्ड अधिकारी एच.डी. सिंह, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति सीमा पोद्दार, विकास अधिकारी मनोज जैन, सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग हुकम चंद जाजोरिया, सरपंच संतोष सीनम, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत जावटी कलाँ संजू यादव उपस्थित रहें।

जिला शांति समिति की बैठक आयोजित पर्वों तथा त्यौहारों पर रहे सौहार्द

-कायम-जिला मजिस्ट्रेट

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला शांति समिति की बैठक शुक्रवार को जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित हुई। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने कानून एवं शांति व्यवस्था के संबंध में विचार व्यक्त किए।

जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु ने कहा कि जिला शांति समिति के सदस्य प्रशासन तथा क्षेत्र के मध्य कड़ी की तरह कार्य करते हैं। इनके माध्यम से कई प्रकरणों में समन्वय स्थापित किया जाता है। समिति के माध्यम से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग मिलता है। क्षेत्र की संवेदनशील गतिविधियों के बारे में प्रशासन को अवगत कराए। इन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। प्रशासन की मंशा से आमजन को अवगत कराने में भी महत्वपूर्ण योगदान अदा करें। उन्होंने कहा कि कुछ ही समय में मोहर्रम का पर्व मनाया जाएगा। इसे अजमेर में मिनी उर्स की तरह मनाने की परम्परा रही है। इस दौरान क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनी रहे। इसी प्रकार श्रावण मास के दौरान कावड़ यात्रा सहित विभिन्न पर्व आयोजित होंगे। इन पर्वों को हर्षोल्लास के साथ मनाते समय शांति एवं सौहार्द बना रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में आपसी समझ के साथ पर्वों का आयोजन हो।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने कहा कि क्षेत्र से जुड़ी जानकारी पुलिस तथा प्रशासन तक पहुंचाएं। संवेदनशील मुद्दों पर समझदारी से काम लें। अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए गंभीरता से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सोशल मीडिया का उपयोग संयम के साथ करें। समस्त त्यौहारों पर पुलिस प्रशासन मुस्तैद है। क्षेत्र के इनपुट पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सदस्यों ने जल भराव, पुलिस दल बढ़ाने, डिवाईडरों पर हरीतिमा विकसित करने, डीजे पर पाबंदी लगाकर स्पीकर का उपयोग करवाने, मोडिफाईड साइलेंसर वाले वाहनों पर कार्यवाही करने, वाहनों से स्टंट करने वालों पर कार्यवाही करने, अवधिपार गाडियों पर रोकथाम लगाने एवं रेलवे स्टेशन के प्रवेश तथा निकास द्वारों को अतिक्रमणमुक्त रखने के सुझाव प्रदान किए।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट गजेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु, रमेश लालवानी, किशोर टेकवानी, रणवीर सैनी एवं किशन सहित सदस्य उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

-व्यवस्थाओं में पाई गई कई कमियां, दिए गए सुधारात्मक निर्देश

चित्तौड़गढ़,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) प्रभा गौतम ने सांवलियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय, चित्तौड़गढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश वैष्णव, डॉ. जयसिंह मीणा सहित अन्य वरिष्ठ चिकित्सकगण उपस्थित रहे एवं व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था, मरीजों की चिकित्सा सेवाएं, नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति, निविदाओं की प्रगति एवं अन्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। निरीक्षण में यह पाया गया कि चिकित्सालय के विभिन्न भागों में साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी। वार्डों में नर्सिंगकर्मियों की प्रभावी मॉनिटरिंग का अभाव पाया गया। नवीन वित्तीय वर्ष 2025-26 से संबंधित 9 निविदाएं प्रक्रियाधीन पाई गईं, जबकि शेष निविदाएं संपादित की जा चुकी हैं। निरीक्षण उपरांत अतिरिक्त जिला कलक्टर निर्देश दिए कि सभी प्रक्रियाधीन निविदाओं को शीघ्र पूर्ण करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा लम्बित रहने के कारणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट जिला कलक्टर को प्रस्तुत की जाए।

चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई की नियमित और प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। वार्डों में भर्ती मरीजों को नियमित एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए, साथ ही नर्सिंग स्टाफ की उपस्थिति पर सख्त निगरानी रखी जाए। मरीजों व परिजनों के लिए चिकित्सालय परिसर में बैठने, पेयजल एवं भोजन/नाश्ते की बेहतर सुविधा सुनिश्चित की जाए, साथ ही खाद्य गुणवत्ता व स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। विगत दिनों महिला एवं बाल चिकित्सालय में प्रसव के दौरान हुई दुखद घटनाओं के संदर्भ में समस्त स्टाफ को निर्देशित किया गया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी मरीजों को समय पर उचित इलाज सक्रियता से उपलब्ध कराया जाए। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने स्पष्ट किया कि चिकित्सा जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयबद्ध सुधार की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राज्य मंत्री डॉ मंजू बाघमार शुक्रवार को सालासर आए

-बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा अर्चना की

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल अधिकारिता विभाग राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार शुक्रवार को सालासर आए। उन्होंने बालाजी मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की और देश - प्रदेश में खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, वासुदेव चावला, धर्मवीर पुजारी भी उनके साथ रहे।

हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी, मनोज पुजारी, यशोदानंदन पुजारी सहित पुजारी परिवार ने पूजा- अर्चना करवाई तथा बालाजी का चित्र व दुपट्टा भेंट कर राज्य मंत्री बाघमार का स्वागत किया।

राज्य मंत्री बाघमार ने सालासर क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों, महिला एवं बाल विभाग की गतिविधियों तथा महिला अधिकारिता विभाग की योजनाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। महिला अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक राजेंद्र सिंह ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। सानिवि एक्सईएन ने विभिन्न कार्यों में प्रगति की जानकारी दी। इस अवसर पर सीओ दरजाराम, नायब तहसीलदार अमरसिंह, नरेश कुमार, महावीर, सोहनलाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अजजा आयोग के संयुक्त सचिव ने पीएम जनमन विकास कार्यों की प्रगति

-जिले में जनजातीय सशक्तिकरण की ओर कदम, अमित निर्मल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मिनी सचिवालय सभागार में की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव अमित निर्मल ने की। इस अवसर पर जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, एडीएम जबर सिंह, अनुसंधान अधिकारी अंकित सेन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निर्मल ने बैठक में सहरिया समुदाय के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और जिले में सहरिया समुदायों के लिए बेहतर विकास कार्य निष्पादन के लिए प्रशासन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य सहरिया जनजाति को बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने विभागवार योजनाओं की प्रगति समीक्षा कर आवशयक निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने बैठक में बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत 22,081 परिवारों के आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 6,037 का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। संपर्क सड़कों के लिए 98.69 किलोमीटर में 39 लोकेशन चिन्हित की गई हैं, जिनमें से 3 सड़कों का कार्य पूर्ण हुआ है और शेष पर कार्य प्रगति पर है। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिले में 6 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं, जिनके माध्यम से अब तक 1,796 शिविर आयोजित कर 1,04,628 लोगों को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा चुकी है। छात्रावास, विद्‍त कनेक्शन, पेयजल आपूर्ति, आंगनवाड़ी केन्द्र, मल्टीपरपज सेंटर, मोबाइल टावर, वन धन केंद्र एवं कौशल विकास जैसे विविध क्षेत्रों में भी कार्य तेजी से चल रहे हैं। विद्‍त कनेक्शन के तहत 15,817 घरों में कनेक्शन दिए जा चुके हैं जबकि जल मिशन के तहत 3,360 घरों में नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। 12 आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति के साथ निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है और 39 नए केंद्रों की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जिले में 18 मल्टीपरपज सेन्टर स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 8 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वन धन योजना के तहत 51 केंद्र स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 8 केंद्रों का संचालन प्रारंभ हो गया है, और 8766 सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। वहीं कौशल विकास योजना के अंतर्गत 456 सहरिया युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। बैठक के पश्चात निर्मल ने धरती आबा अभियान के तहत आयोजित शिविर का भी निरीक्षण किया ।

चौहान खारावाला शिविर में उपखंड अधिकारी ने आमजन की समस्याओं का निस्तारण किया

-जन कल्याणकारी योजनाओं से कोई वंचित नहीं रहें

बाड़मेर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए चौहटन उपखंड की समस्त ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं। यह प्रयास किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित होने से वंचित नहीं रहे। खारावाला ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पंडित दीनदयाल अंत्योदय संबल पखवाड़े के तहत आयोजित शिविर के दौरान चौहटन उपखंड अधिकारी कुसुमलता चौहान ने यह बात कही।

उपखंड अधिकारी कुसुमलता चौहान ने कहा कि आमजन जन कल्याणकारी योजनाओं लाभ लेने के लिए शिविरों में अधिकाधिक जनसहभागिता निभाएं। इस दौरान ईशरोल चिकित्सालय के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रावताराम भाखर ने कहा कि बारिश के मौसम में पशुओं का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने मिनरल मिक्सर की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पशुओं के अधिक उत्पादन पशु की नरल, प्रबंधन एवं पोषण तथा आवास व्यवस्था पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं की विकास दर एवं उत्पादकता वृद्धि में पशु पोषण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. भाखर ने पशुपालन विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं महिला पशुपालक सम्मान, मंगला पशु बीमा विभाग, ऊष्ट संरक्षण योजना, पशुओं में विभिन्न टीकाकरण गॉट पॉक्स, ई.टी. बी.क्यू. खुरपका मुंहपका के बारे में जानकारी दी। पशुधन निरीक्षक कैलाश कुमार ने पशुपालकों के टीकाकरण, डीवर्मिंग के महत्व के बारे में बताते हुए पशुपालकों को बारिश के मौसम में कीड़े पड़ने के लिए तारपिन तेल एवं देशी उपचार के बारे में जानकारी दी। कृषि विभाग से नितेश कुमार ने किसानों को मिनिकिट वितरण किए एवं कृषि विभाग की जन कल्याणकारी योजनाओं से रूबरू कराया। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी सुरेश कुमार मालू, पटवारी जगदीश कुमार धायल, गोविंद कुमार, प्रगतिशील किसान तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में सरपंच बांकाराम मेघवाल सबका आभार जताया।

ग्राम पंचायत चानणा धाम में जिला कलक्टर की रात्रि चौपाल आयोजित

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। जिले की पदमपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत चानणा धाम में शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल आयोजित हुई। इस दौरान ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भावना के अनुसार परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाए। इस दौरान 15 प्रकरण आए।

रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा गांव में पशु चिकित्सालय के भवन निर्माण, राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण, चानणा धाम गांव की क्षतिग्रस्त सड़क का निर्माण करवाने, जोहड़ की चारदीवारी बनवाने, सरकारी रास्ता खुलवाने, चक दो एनएन निवासी परिवादी द्वारा रास्ता खुलवाने और क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण करवाने सहित अन्य परिवाद दिए गए।

जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बलाकर उक्त परिवादों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार आमजन की समस्याओं को जल्द से जल्द हल किया जाए। जनसुनवाई के साथ-साथ रात्रि चौपाल में आने वाले सभी प्रकरणों में विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुए संबंधित पीड़ित को राहत दिलवाना सुनिश्चित किया जाए।

इसके पश्चात डॉ. मंजू द्वारा उपस्थितजनों को नशामुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने के साथ-साथ हरियालो राजस्थान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण के लिए ग्रामीणों को प्रेरित भी किया गया। रात्रि चौपाल में जिला परिषद सीईओ गिरधर, एसीएम स्वाति गुप्ता, जिला आबकारी अधिकारी शिवा चौधरी, तहसीलदार दर्शना देवी, सरपंच, बीडीओ, तहसीलदार, ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, विद्‍त विभाग के अधिकारी, कार्मिक एवं ग्रामीण सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रदेश में कृषि विकास दर में कमी चिंता का विषय, राज्य सरकार कृषि नीतियों पर ध्यान दें - एस डी पी आई

जयपुर.(रॉयल पत्रिका) दिनांक 28 जून 2025, राजस्थान प्रदेश में कृषि विकास की दर घट जाना बड़ी चिंता का विषय है इस से कृषि क्षेत्रों से जुड़े किसानों, व्यापारियों एवं मज़दूरों पर आर्थिक दुष प्रभाव पड़ेगा।

सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एस डी पी आई) राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन ने उपरोक्त संदर्भ में बयान जारी करते हुए बताया कि राजस्थान वैसे ही भौगोलिक तौर पर कृषि उद्योग के लिए कम क्षेत्र पर निर्भर रहना पड़ता है चुंकि यहाँ खनन उद्योगों एवं पर्वतीय क्षेत्र एवं रेगिस्तानी भूमि अधिक होने से सीमित क्षेत्रों में ही खेती होती है जिस से कृषि उत्पादनों में औसत परिणाम मिलतें हैं ऐसे में यदि कृषि विकास की दर और कम हो रही है तो यह कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को कई प्रकार से नुकसान दायक साबित होगा और देखने में आ रहा है कि इसके पीछे एक बड़ा कारण कृषि क्षेत्र में कम दिये जाने वाले ऋण की दर भी ज़िम्मेदार है अगर आँकड़े देखें तो 2024 में यह दर 13% थी जो 2025 में घट कर 9% रह गई इससे प्रदेश की जी डी पी कृषि विकास की दर से 2.5% कम रही है , इस मामले में स्वंय आर बी आई के क्षेत्रीय निदेशक नवीन नम्बियार ने चिंता प्रकट की है।

एस डी पी आई राज्य सरकार का ध्यान इस और आकृष्ट कराते हुए मांग करती है कि सरकार को बैंको की लोन पॉलिसीज़ पर समीक्षा करना चाहिए क्यूंकि बैंको द्वारा जारी लोन कृषि क्षेत्र में सिर्फ खेती पर ही ज़्यादा फोकस कर रहें हैं जबकि इस से जुड़े पशुपालन तथा फूड प्रोसेसिंग जैसी गतिविधियों में भी ज़्यादा ध्यान देने की ज़रूरत है। प्रदेश में बैंको द्वारा दिए जाने वाले लोन में एन पी ए की वृद्धि होना इस बात का प्रमाण है जहाँ व्यावसायिक बैंको का एन पी ए 3.42% से घट कर 3.06% हुआ है जबकि कोआपरेटिव बैंको में

यह 7.58% से बड़ कर 7.75% हो गया है साथ ही प्रदेश में सेविंग बैंक खातों की संख्या तेज़ी से घटती जा रही है जहाँ बेंको की बी सी आधे से भी कम काम कर रहीं हैं वहीं बैंको की पॉलिसीज़ भी आए दिन अव्यवहारिक होने से अपने आउट लेट कम करती जा रही है। इन सब आंकड़ों पर एस डी पी आई ने भी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार को चेताया कि यदि राज्य सरकार इस गंभीर विषय पर कोई निर्णायक कदम उठा कर कृषि क्षेत्र के लिए उचित कार्य योजना नहीं बनाती है तो आगे इसके और भी गंभीर परिणाम कृषि उत्पादनों एवं उस से जुड़ी समस्त इकाइयों की भुगतने पढ़ेंगे जिससे आर्थिक स्थिति और ज़्यादा प्रभावित होगी।

पुस्तैनी जमीन पर दबंगों ने किया कब्जा, मारपीट कर धमकाया

बारां.(रॉयल पत्रिका) 28 जून। समरानिया कस्बे में पुस्तैनी बेशकीमती जमीन पर दबंगों द्वारा अतिक्रमण कर जबरन कब्जा जमा लेने के बाद पीड़ित न्याय के लिए दर-दर भटक रहा है। लेकिन पुलिस व प्रशासन आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने के बजाए उन्हें संरक्षण दे रहा है।

पीड़ित बाबूलाल व अमृतलाल धोबी पुत्र सुंदरलाल उर्फ सुंदरा ने शनिवार को कोटा रोड स्थित एक निजी रेस्त्रां में आयोजित पत्रकार वार्ता में मय दस्तावेजों के बताया कि समरानियां कस्बे में उनकी पुस्तैनी आराजी खसरा नम्बर 121/1273 रकबा 1.10 बिस्वा भूमि स्थित है। आबादी क्षेत्र में आने से जमीन की वर्तमान में डेढ़ से दो करोड़ कीमत आंकी जा रही है।

जिस पर आरोपी रामदयाल पुत्र पूरण, अमर सिंह व रूपा पुत्रगण दोलू जाति अहीर, माखन व रिंदू पुत्र बाबूलाल जाति अहीर, अनार सिंह व विजय सिंह पुत्र सुंदरलाल अहीर, राजेश बाई पत्नी रामदयाल, सुशीला बाई पत्नी करण सिंह अहीर, रामदयाल का पुत्र वगैरा जाति अहीर निवासी समरानिया ने जबरन कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर 30 मई 2025 को सुबह समरानियां चौकी से जाते समय रास्ते में श्मशान के पास प्रार्थी को रास्ते में रोककर रामदयाल ने जाति सूचक शब्दों से अपमानित किया एवं गालीगलौच की। साथ ही धमकी दी कि तुने व तेरी बेटी व दामाद ने यदि जमीन करने की कोशिश की तो जान से मार दूंगा। तेरी जमीन पर तो कब्जा मैं ही करूंगा। इसके बाद पुलिस ने शाम को पीड़ित, उसके पुत्री-दामाद को थाने में बिठा लिया। इसके अलावा पीड़ित के भाई की पत्नी व उसकी पुत्रवधु के साथ मारपीट कर उन्हें भी बंद कर दिया गया। इस दौरान आरोपियों ने रातोंरात नींव खोदकर उसे भरवा दिया, उस पर निर्माण कार्य कर लिया। पुलिस ने प्रार्थी की मदद के बजाये आरोपियों का सरंक्षण दिया है। जिससे उनके हौंसले बलंद हैं।

पीड़ित ने बताया कि आरोपी रामदयाल ताकतवर व पैसे वाला होने कारण पुलिस भी उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। वह धमकाता है कि पुलिस मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। तू कहीं भी जा तेरी कहीं भी कोई सुनवाई नहीं होगी। आरोपियों द्वारा प्रतिदिन पीड़ित को डराने व धमकाने का सिलसिला बदस्तूर जारी किया हुआ है। पीड़ित बाबूलाल ने बताया कि उसकी मात्र एक संतान पुत्री है। जिसकी कमजोरी का नाजायज फायदा उठाकर मुल्जिम रामदयाल अहीर आए दिन गालीगलौच कर डराता धमकाता रहता है। ताकि पीड़ित गांव छोड़कर चला जाए और उसकी जमीन को हथिया लें। इस संबंध में पीड़ित पूर्व में भी जिला कलक्टर व एसपी को ज्ञापन देकर अवगत कराया जा चुका है। वहीं विधायक से लेकर सांसद तक को ज्ञापन दिए जा चुके है। लेकिन अभी तक आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं हुई है। आरोपी द्वारा किया गया अतिक्रमण भी नहीं हटाया गया है। इस मामले में केलवाड़ा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है। लेकिन पुलिस गरीब और निरक्षर पीड़ितों की मदद करने के बजाए आरोपियों का ही पक्ष ले रही है।

पीड़ितों की मांग है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करवाकर उसकी पुस्तैनी जमीन को उनके कब्जे से छुड़ाया जाकर प्रार्थी को सौंपी जाए। साथ ही उसके जानमाल की सुरक्षा प्रदान करवाई जाए। पीड़ितों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है।

पोको ने पेश किया एफ7, सेगमेंट की सबसे बड़ी बैटरी और तेज प्रोसेसर के साथ

मुंबई, एजेंसी। भारत का प्रमुख कंज़्यूमर टेक ब्रांड पोको अपनी मशहूर एफ-सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको एफ7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूज़र्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है। पोको एफ7 में 7550एमएएच की भारत की सबसे बड़ी बैटरी

दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी 90डब्लू टर्बो चार्जिंग और 22.5डब्लू रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूज़र्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99एमएम पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो। एफ7 की कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। इस फोन में सेगमेंट का सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिलता है। इसमें स्नैपड्रैगन 8ह्य ल्द्गठ्ठ 4 चिपसेट है, जो 2.1 मिलियन से अधिक स्कोर देता है - यह इस कैटेगरी में एक रिकॉर्ड है। साथ ही इसमें है एलपीडीडीआर5एक्स मेमोरी, स्नस्न 4.1 स्टोरेज और कुल 24जीबी (12जीबी + 12जीबी) टर्बो रेम, जो इसे परफॉर्मेंस के मामले में अपने वर्ग में अव्वल बनाते हैं। पोको का कस्टम एच4पीइआरओएस 2.0, एआइ सुइट के साथ एक स्मूद और रेस्पॉन्सिव अनुभव देता है। कूलिंग सिस्टम,ए720 बिग-कोर आर्किटेक्चर के साथ, फोन को ज़्यादा इस्तेमाल के दौरान भी ठंडा बनाए रखता है।

इसमें 6.83 इंच का 1.5 केएएमओएलइडी डिस्प्ले है, जिसमें 120 ।।5 का रिफ्रेश रेट और अल्ट्रा नैरो बेज़ल्स दिए गए हैं। यह अपने सेगमेंट का सबसे बड़ा और शानदार डिस्प्ले है, जो गेमिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और क्रिएटिव वर्क के लिए एकदम परफेक्ट है।

बीरा बीयर बनाने वाली कंपनी की मुश्किलें बढ़ीं

भारी छूट पर बेच रही नए शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीरा बीयर बनाने वाल कंपनी बी9 बेवरेजेज ने अपने मौजूदा निवेशकों को भारी छूट पर नए शेयर बेचकर अब तक 85 करोड़ जुटा लिए हैं। कंपनी खर्चे कम करने के लिए कर्मचारियों की संख्या घटा रही है और अपने कारोबार को सिर्फ कुछ चुनिंदा बाजारों तक सीमित कर रही है। यह जानकारी कंपनी के करीबी लोगों ने दी।

और पैसे की जरूरत- कंपनी कुल 100 करोड़ जुटाना चाहती है। यह पैसा राइट्स इश्यू के जरिए आएगा, जहा मौजूदा शेयरधारकों को उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में नए शेयर खरीदने का अधिकार दिया जाता है। बाकी बचे 15 करोड़ जुलाई के मध्य तक जुटाने की योजना है।

शेयरों में भारी छूट- ये शेयर 325 प्रति शेयर के भाव पर बेचे जा रहे हैं। यह कीमत पिछले निवेश से 55 प्रतिशत कम है, जब जापान की किरिन कंपनी ने 700 से अधिक प्रति शेयर के भाव पर पैसा लगाया था। बी9 के लगभग 6,500 निजी निवेशक हैं, और एक बड़ा फैमिली ऑफिस भी पहली बार इसमें पैसा लगाने वाला है।

कर्मचारियों में कटौती- पिछले दो सालों में बहुत से कर्मचारी कंपनी छोड़कर गए। उन्होंने अपने कर्मचारी स्टॉक विकल्प बेच दिए। कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या भी घटाई है। पहले करीब 975 कर्मचारी थे, अब सिर्फ 500 बचे हैं। एक अधिकारी ने बताया, आईपीओ से पहले जोमैटो के भी इतने शेयरधारक नहीं थे, जितने आज बी9 के हैं।

क्यों घाटा बढ़ा- बीयर बनाने का धंधा पैसे-खपत वाला है। राज्य सरकारें बिक्री पर लगने वाले टैक्स के रूप में राजस्व का दो-तिहाई हिस्सा ले लेती हैं। साथ ही, ढुलाई का खर्चा भी ज्यादा होता है। इसका असर कंपनी के नतीजों पर दिखा। 2023-24 में कंपनी का राजस्व 824.3 करोड़ से घटकर 638.5 करोड़ रह गया। उसी साल नुकसान बढ़कर 748.8 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 445.4 करोड़ था। कंपनी ने अपना आईपीओ भी 2026 से टालकर 2028 कर दिया है।

बदल रही है रणनीति- कंपनी अब देश के 25-30 बाजारों की बजाय सिर्फ बड़े महानगरों और चार टियर-2 शहरों पर ध्यान देगी। वह अपनी बीयर खुद बनाने के बजाय अब दूसरों से बनवाएगी (कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग)। इससे उसे सालाना 600 करोड़ की बचत होगी। सिर्फ ग्वालियर और नागपुर की दो ब्रेवरी अब उसके लिए खासतौर पर बीयर बनाएंगी। आंध्र प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों पर फोकस बढ़ाया जाएगा, जो उसके राजस्व का 55 प्रतिशत हिस्सा हैं।

आगे की उम्मीदें- कंपनी को उम्मीद है कि नई रणनीति से उसका मुनाफा बढ़ेगा। 2026 तक उत्पादन क्षमता 2.5 करोड़ केस से घटाकर 1.5 करोड़ केस की जाएगी। कारखानों के खर्च में 50 प्रतिशत तक कटौती होगी। 2024 में 63 प्रतिशत रहे मार्जिन के 2026 तक 66 प्रतिशत होने की संभावना है। कंपनी के एक अधिकारी का कहना है, 325 का भाव पिछले निवेश से सस्ता है, इसलिए कर्मचारी भी शेयर खरीद रहे हैं। दिल्ली जैसे बाजारों में हमारी पकड़ मजबूत हो रही है।

जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने खरीदी एक्जो नोबल की भारतीय कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने एक्जो नोबल इंडिया के कारोबार को करीब 12,000 करोड़ (लगभग 1.1 अरब डॉलर) में खरीदने का करार किया है। इसके बाद जेएसडब्ल्यू अब भारत की चौथी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बन जाएगी। जानकारों के मुताबिक, महीनों की बातचीत के बाद जेएसडब्ल्यू ने अक्जो नोबेल में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,000 करोड़ में खरीदने का फैसला किया, जो गुरुवार के बाजार भाव से 17.4 प्रतिशत सस्ता है। इस डील के बाद आज एक्जो नोबल के शेयरों में 7 फीसद से अधिक की उछाल है। जेएसडब्ल्यू ने इंडिगो पेंट्स-एडवेंट कंसोर्टियम और पिडिलाइट इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी बोलियों को पछाड़ा। इस अधिग्रहण से जेएसडब्ल्यू इंडस्ट्रियल पेंट्स सेगमेंट में कंसाई नेरोलैक के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। अक्जो नोबेल के शेयरधारकों के लिए 26 प्रतिशत हिस्सेदारी की ओपन ऑफर होगी, जिसकी कीमत सेबी के फॉर्मूले (गुरुवार के क्लोजिंग प्राइस 3,213/शेयर) के आधार पर तय होगी।

पीएनजी ज्वेलर्स ने नए ब्रांड 'लाइटस्टाइल' के साथ हाय-ग्रोथ वाले हल्के आभूषण सेगमेंट में किया प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सराफी उद्योग में 192 वर्षों की विरासत और विश्वासार्हता रहे भारत के सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांड / हाऊस में से एक पीएनजी ज्वेलर्स ने आज पुणे में अपने समकालीन सब-ब्रांड लाइट स्टाइल बाय पीएनजी के शुरू करने की घोषणा की. यह लॉन्च पीएनजी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह हर रोज पहनने के लिए हल्के, डिज़ाइन-फॉरवर्ड आकर्षक आभूषणों के माध्यम से आभूषण खरीदारों की अगली पीढ़ी से जुड़ता है. 18 कैरेट और 22 कैरेट सोने में तैयार लाइट स्टाइल 25-40 वर्ष की आधुनिक, स्टाइल के प्रति सजग महिलाओं के लिए तैयार किया गया है, जो आभूषणों का चयन न केवल परंपरा या उपहार के लिए करती हैं, बल्कि अपनी शैली के विस्तार के रूप में भी करती हैं. वर्कमीटिंग्स और कॅज्युअलआउटिंग्ज से लेकर प्री-फेस्टिवगेट- टुगेदर्स और छोटे-मोटे समारोहों तक, लाइट स्टाइल प्रतिभावान, न्यूनतम पीसेस प्रस्तुत करता है, जिसमें परिष्कार और सहजता का मिश्रण है. 22 जून 2025 को पुणे के खराडी और वाकड में लाइट स्टाइल के दो स्टोर शुरू किए जाएंगे, जिनका उद्घाटन प्रसिद्ध अभिनेत्री सई ताम्हण करके हाथों से किया जाएगा।

भारत में हल्के वजन के बढ़िया आभूषणों के बाजार में तेजी देखी गई है, जो सोने की बढ़ती कीमतों, प्राथमिक आभूषण खरीदारों के रूप में महिलाओं की उभरती भूमिका और समकालीन जीवन शैली के अनुकूल व्यावहारिक, डिजाइन से समृद्ध आभूषणों की बढ़ती चाहत के कारण संभव हो पाया है. 14 कॅरेट और 18 कॅरेट सोने के विभाग में अब दैनिक उपयोग के आभूषणों की खरीदारी में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया काम करने के लिहाज से भारत की शीर्ष 100 कंपनियों (2025) में 32वें पायदान पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को ग्रेट प्लेस टु वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा काम करने के लिए भारत की सर्वोत्तम कंपनियों (शीर्ष 100) में 32वें पायदान पर रखा गया है। यह पांचवां वर्ष है जब एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को इस सूची में स्थान मिला है और लगातार तीसरा वर्ष है जब इसे देशभर में शीर्ष 50 कार्यस्थलों में शुमार किया गया है।

एसएंडपी ग्लोबल की प्रबंध निदेशक (भारतीय परिचालन) नीलम पटेल ने कहा, लगातार तीसरे वर्ष शीर्ष 50 कंपनियों में स्थान मिलना हमारे लोगों और उस संस्कृति को एक प्रमाण है

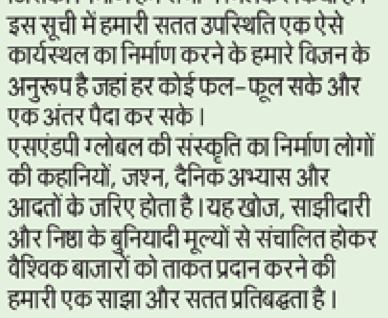

जिसका निर्माण हम सभी ने मिलकर किया है। इस सूची में हमारी सतत उपस्थिति एक ऐसे कार्यस्थल का निर्माण करने के हमारे विजन के अनुरूप है जहां हर कोई फल-फूल सके और एक अंतर पैदा कर सके।

एसएंडपी ग्लोबल की संस्कृति का निर्माण लोगों की कहानियों, जश्न, दैनिक अभ्यास और आदतों के जरिए होता है। यह खोज, साझीदारी और निष्ठा के बुनियादी मूल्यों से संचालित होकर वैश्विक बाजारों को ताकत प्रदान करने की हमारी एक साझा और सतत प्रतिबद्धता है।

डीएस ग्रुप की पल्स कैंडी बनी 750 करोड़ की उपभोक्ता ब्रांड

पिछले 9 वर्षों से नंबर 1 हार्ड बॉयल्ड कैंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में से एक धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने अपनी लोकप्रिय ब्रांड पल्स को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2024-25 में पल्स कैंडी ने उपभोक्ता मूल्य पर 750 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है, यानी एक साल में 750 करोड़ पल्स कैंडीज़ बिकीं - जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले 9 वर्षों से पल्स की मज़बूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती है।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों में पल्स ने 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जोकि पूरे हार्ड बॉयल्ड कैंडी उद्योग में 9 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक है। इस निरंतर वृद्धि ने ब्रांड को शहरी और ग्रामीण दोनों बाज़ारों में मज़बूत पकड़ को सिद्ध किया है, खासकर ऐसे समय में जब समग्र बाज़ार की स्थितियाँ उतनी अनुकूल नहीं रहीं। बाज़ार आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में पल्स कैंडी भारत के हार्ड बॉयल्ड कैंडी खंड में 19 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी रखती है और लगातार आगे बढ़ रही है। प्रतिस्पर्धा से भरे इस क्षेत्र में यह बड़ी हिस्सेदारी उपभोक्ता आकर्षण और दोबारा खरीद की दर का प्रमाण है।

डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने कहा, पल्स को हम एक अग्रणी भारतीय पारंपरिक मिठाई ब्रांड के रूप में विकसित कर, इसे बहु-फॉर्मेट और बहु-उपयोग अवसरों वाला उत्पाद बनाना चाहते हैं। हम इसके लिए संबंधित उत्पाद श्रेणियों में विस्तार, नए फॉर्मेट्स की खोज और क्षेत्रीय स्वादों के अन्वेषण पर ध्यान देंगे। ब्रांड बिल्डिंग, उपभोक्ता जुड़ाव और गहरी बाज़ार पैठ हमारी प्राथमिकताएं हैं। हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विस्तार को लेकर आक्रामक हैं। भारत में हमारी वितरण श्रृंखला 35 लाख से अधिक दुकानों तक पहुँच चुकी है।

श्री कुमार ने आगे कहा, फ्रूटी और खट्टे स्वादों के संगम से बनी पल्स, खासकर कच्चे आम के मसालेदार कोर के साथ, एक अनोखा स्वाद अनुभव देती है। यह भारतीय स्वाद पसंदों के अनुरूप था और उस समय प्रचलित वेस्टर्न-स्टाइल कैंडीज़ से अलग था।

पल्स का 1 का मूल्य निर्धारण एक साहसिक कदम था, जब 86 प्रतिशत हार्ड बॉयल्ड मार्केट 50 पैसे के मूल्य बिंदु पर था। इससे न केवल मूल्य में बल्कि मूल्य अनुभव में भी बढ़ोतरी हुई, जो उपभोक्ताओं को भाया।

होंडा मोटरसाइकिल ने सतना मध्य प्रदेश में बच्चों को किया जागरूक

सतना। सड़क सुरक्षा और जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने सतना, मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पहल खासतौर पर युवाओं में सड़क सुरक्षा व्यवहार विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इसमें आदित्य कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस और श्री राम कृष्ण कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक एंड मैनेजमेंट के 2400 से अधिक छात्रों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अभियान के दौरान छात्रों को कई सत्रों और गतिविधियों के ज़रिए जोड़ा गया, जिससे उनकी रोजमर्रा की जगहें ही सड़क सुरक्षा के बारे में सीखने का मंच बन गईं। यह सत्र इस तरह से तैयार किए गए थे कि सीखना मजेदार और प्रभावशाली दोनों हो। प्रतिभागियों को सुरक्षित राइडिंग की मूल बातें सिखाई गईं जैसे हेलमेट पहनने की अहमियत और सड़क पर अनुशासन बनाए रखना। सतना में यह अभियान मध्य प्रदेश में एचएमएसआई की बढ़ती मौजूदगी को और मजबूत करता है, जहाँ कंपनी स्थानीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर जमीनी स्तर से सड़क सुरक्षा की संस्कृति को विकसित करने में जुटी है।

दिल रहेगा दुरुस्त, जब रोज़ की डाइट में होंगे 4 सुपरफूड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे दिल की बीमारी और हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए संतुलित खानपान अहम भूमिका निभाता है। रोज़मर्रा की डाइट में बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और सब्ज़ियां शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखा जा सकता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी ज़रूरी है। इस लेख में जानिए चार ऐसे खास फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल कर आप कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ स्तर पर बनाए रख सकते हैं। बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और ज़िंक समेत 15 ज़रूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रोज़ाना बादाम खाने से टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है।

ग्रुप की पल्स कैंडी बनी 750 करोड़ की उपभोक्ता ब्रांड

पिछले 9 वर्षों से नंबर 1 हार्ड बॉयल्ड कैंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख एफएमसीजी समूहों में से एक धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने अपनी लोकप्रिय ब्रांड पल्स को लेकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2024-25 में पल्स कैंडी ने उपभोक्ता मूल्य पर 750 करोड़ से अधिक की बिक्री दर्ज की है, यानी एक साल में 750 करोड़ पल्स कैंडीज़ बिकीं - जिससे यह भारत की सबसे ज़्यादा वितरित हार्ड बॉयल्ड कैंडी बन गई है। यह उपलब्धि पिछले 9 वर्षों से पल्स की मज़बूत मार्केट लीडरशिप और उपभोक्ताओं के बीच इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती है।

पिछले तीन वित्तीय वर्षों में पल्स ने 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (ष्ठलक्र) दर्ज की है, जोकि पूरे हार्ड बॉयल्ड कैंडी उद्योग में 9 प्रतिशत की तुलना में कहीं अधिक है। इस निरंतर वृद्धि

ने ब्रांड की शहरी और ग्रामीण दोनों बाज़ारों में मज़बूत पकड़ को सिद्ध किया है, खासकर ऐसे समय में जब समग्र बाज़ार की स्थितियाँ उतनी अनुकूल नहीं रहीं। बाज़ार आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में पल्स कैंडी भारत के हार्ड बॉयल्ड कैंडी खंड में 19 प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी रखती है और लगातार आगे बढ़ रही है। प्रतिस्पर्धा से भरे इस क्षेत्र में यह बड़ी हिस्सेदारी उपभोक्ता आकर्षण और दोबारा खरीद की दर का प्रमाण है।

डीएस ग्रुप के उपाध्यक्ष श्री राजीव कुमार ने कहा, पल्स को हम एक अग्रणी भारतीय पारंपरिक मिठाई ब्रांड के रूप में विकसित कर, इसे बहु-फॉर्मेट और बहु-उपयोग अवसरों वाला उत्पाद बनाना चाहते हैं। हम इसके लिए संबंधित उत्पाद श्रेणियों में विस्तार, नए फॉर्मेट्स की खोज और क्षेत्रीय स्वादों के अन्वेषण पर ध्यान देंगे। ब्रांड बिल्डिंग, उपभोक्ता जुड़ाव और गहरी बाज़ार पैठ हमारी प्राथमिकताएं हैं। हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में विस्तार को लेकर आक्रामक हैं। भारत में हमारी वितरण श्रृंखला 35 लाख से अधिक दुकानों तक पहुँच चुकी है।

बिग बॉस 19' के थीम से लेकर प्रीमियर तक से उठा पर्दा इस बार गेम के रूल्स होंगे अलग, जानिए सबकुछ

बिग बॉस 19, अगस्त 2025 में लॉन्च हो रहा है. ऐसे में जानिए क्या है इस बार की थीम, नया गेम फॉर्मेट, और राम कपूर से लेकर मिस्टर फैजू तक के संभावित कंटेस्टेंट्स की पूरी लिस्ट. सलमान खान का पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' जल्द ही धमाकेदार वापसी करने जा रहा है. इस बार मेकर्स ने फॉर्मेट और थीम में कई बड़े बदलाव किए हैं, जो दर्शकों को सरप्राइज देने वाले हैं. OTT पर तीन हिट सीजन और टीवी पर 18 सुपरहिट सीजन के बाद 'बिग बॉस 19' की चर्चा अभी से सोशल मीडिया पर तेज हो गई है. ऐसे में इस सीजन का प्रीमियर कब से होगा और इस बार का थीम क्या है, आइए आपको विस्तार में बताते हैं.

कब शुरू होगा बिग बॉस 19?

'बिग बॉस तक' के अनुसार, इस बार शो का प्रीमियर अगस्त 2025 में होगा. पिछली बार की तरह अक्टूबर या सितंबर में नहीं. इस बार टीवी वर्जन पहले लॉन्च किया जाएगा और 3.5 महीने लंबा सीजन होगा. इसके बाद शुरू होगा OTT का चौथा सीजन.

क्या है इस सीजन की थीम?

इस बार बिग बॉस 19 की थीम "Rewind" रखी गई है, यानी पिछले सीजन की झलक और फेवरेट एलिमेंट्स की वापसी. इसके साथ ही पहले के जैसे सीक्रेट रूम की वापसी होगी. नॉमिनेशन और एविक्शन में भी इस बार नया ट्विस्ट है, जिसके मुताबिक दर्शक नॉमिनेट करेंगे और कंटेस्टेंट एविक्ट करेंगे. इससे गेम में एक अलग ही सस्पेंस और स्ट्रैटेजी देखने को मिलेगी.

टेंटेटिव कंटेस्टेंट्स की लिस्ट

बता दें कि यह लिस्ट आधिकारिक नहीं है, लेकिन बीबी 19 के लिए जिन सितारों से संपर्क किया गया है या जिनके नाम चर्चा में हैं,

उनमें राम कपूर और गौतमी कपूर (पावर कपल), धीरज धूपर (टीवी फेम), अलीषा पंवार, कृष्णा श्रॉफ, राज कुंद्रा, अनीता हसनंदानी, मुनमुन दत्ता (बबीता जी), गौरव तनेजा (Flying Beast), कनिका मान, अपूर्व मुखीजा (Rebel Kid), डेजी शाह, फैजल शेख (Mr. Faisu), खुशी दुबे, अर्शिफा खान, तनुश्री दत्ता, शरद मल्होत्रा, ममता कुलकर्णी, पारस कलनावत, मिकी मेकओवर और पूरव झा जैसे नाम शामिल हैं. हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि इनमें से कौन-कौन कंटेस्टेंट्स फाइनल होते हैं.

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला का निधन दावा- कार्डियक अरेस्ट से हुई मौत

-मुंबई पुलिस परिजन और हाउसहेल्पर से पूछताछ कर रही

रीमेक सॉन्ग कांटा लगा गाने से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई।

अब इस मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। शेफाली जरीवाला के घर पर फोरेंसिक टीम पहुंच चुकी है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अंबोली पुलिस स्टेशन में घर की मेड और कुक से पूछताछ की गई है। परिजन के भी बयान लिए जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, शेफाली को बेहोशी की हालत में उनके पति और एक्टर पराग त्यागी, के साथ तीन अन्य लोग शुक्रवार रात मुंबई के अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे,

जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने पुष्टि की है कि शेफाली जरीवाला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया गया है, जहां उनके परिवार के लोग, करीबी दोस्त और फिटनेस ट्रेनर भी पहुंचे हैं। ट्रेनर ने बताया कि शेफाली हमेशा अपनी सेहत को लेकर सीरियस रहती थीं। वह सख्त डाइट फॉलो थीं, रोजाना एक्सरसाइज करती थीं। उन्होंने आगे बताया कि दो दिन पहले ही शेफाली से मुलाकात हुई थी। शेफाली को मिर्गी की बीमारी थी, जिसे कंट्रोल में रखने के लिए वह ठंडी चीजें और ड्रिंक्स नहीं लेती थीं। उन्होंने एक ऐसा रूटीन अपनाया था जिससे उन्हें दौरे न आएं।

संगीतकार हरमीत सिंह से की थी पहली शादी

बता दें, शेफाली जरीवाला ने 2004 में मीत ब्रदर्स के संगीतकार हरमीत सिंह से शादी की थी। 2009 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद 2015 में एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली थी।

15 साल की उम्र में पड़ा था मिर्गी का दौरा

टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में शेफाली ने बताया था कि उन्हें 15 साल की उम्र मिर्गी का दौरा पड़ा था। तनाव और चिंता की स्थिति में उन्हें दौरे आते थे। हालांकि, बाद में उन्होंने योग और रोजाना एक्सरसाइज करना शुरू किया, जिससे उनकी तबीयत बेहतर होने लगी और मिर्गी के दौरे आना बंद हो गए।

म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से की थी शुरुआत

शेफाली जरीवाला ने अपने करियर की शुरुआत 19 साल की उम्र में म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से की थी, जिसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इस गाने में उनके बोल्ड अंदाज और डांसिंग स्टाइल ने लोगों का ध्यान खींचा था।

इसके बाद उन्होंने कुछ और म्यूजिक एल्बम्स और फिल्मों में काम किया। साल 2004 में वे सलमान खान और अक्षय कुमार की फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' में भी नजर आई थीं। इसके अलावा उन्हें कन्नड़ फिल्म हुडुगारू में भी देखा गया था। शेफाली ने कई डांस रियलिटी शोज में हिस्सा लिया। वहीं, नच बलिए में अपने पति पराग त्यागी के साथ नजर आई थीं।

'बिग बॉस 13' में ली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

शेफाली जरीवाला ने 2019 में बिग बॉस 13 में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी, जहां उन्हें अपने एक्स-बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते देखा गया था। बता दें, सिद्धार्थ शुक्ला का भी निधन 2021 में कार्डियक अरेस्ट के कारण हुआ था।

द फैमिली मैन सीजन 3 का टीज़र रिलीज

-नए मिशन पर लौटा 'फैमिली मैन' श्रीकांत, इस एक्टर संग होगी भिड़ंत

अमेजॉन प्राइम की सबसे पॉपुलर वेब सीरीज रही 'फैमिली मैन' का तीसरा सीजन जल्द आने वाला है। पिछले दो खतरनाक मिशन्स के बाद श्रीकांत अब एक और मिशन पर निकल पड़ा है। इस बार उसका सामना एक नए विलन से होगा जिसका लुक काफी खतरनाक दिख रहा है

जब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स इंडिया में अपने पैर जमा रहे थे, तब कई बेहतरीन कंटेंट ऑडियंस के बीच आए। जिसने उनके दिल में अपनी एक खास जगह बनाई। साल 2019 में आई वेब सीरीज 'फैमिली मैन' भी उसी कैटेगरी में आती है जिसने लोगों को खूब एंटरटेन किया। पिछले छह सालों में मनोज बाजपेयी ने इस सीरीज के जरिए फैंस को खुश रखा। अब वो दोबारा अपनी वेब सीरीज से एंटरटेन करने नए मिशन के साथ लौट रहे हैं।

नए सीजन के साथ लौट रहा है श्रीकांत

'फैमिली मैन' सीरीज में मनोज बाजपेयी का किरदार श्रीकांत फैंस के बीच काफी फेमस है। उसके वन-लाइन डायलॉग्स, तेज दिमाग और एक्शन का हर कोई दीवाना है। पिछले दो सीजन में श्रीकांत के सामने कई मुश्किलें आईं। उसने एक शानदार एजेंट होने के साथ-साथ अच्छा फैमिली मैन बनने की भी कोशिश की। हालांकि वो अपनी पत्नी सुचित्रा के मुताबिक एक अच्छा फैमिली मैन नहीं बन पाया है। श्रीकांत के साथ उसका साथी जेके भी शामिल होता है जो उसका हर कदम पर साथ देता है।

दो सीजन रहे सुपरहिट, नया सीजन में होगा नया चैलेंज

पिछले दो मिशन में श्रीकांत ने अपने देश को बचाने के लिए कई जोखिम उठाए। फिर चाहे वो पहले सीजन में आतंकवाद को खत्म करना हो या दूसरे सीजन में नक्सलवाद, श्रीकांत हर मिशन में फुल नंबर से पास हुआ है। अब उसके सामने एक और मिशन आया है जिसमें उसका सामना एक्टर जयदीप अहलावत से होने वाला है। सीरीज का एक दमदार फर्स्ट लुक भी रिलीज हुआ है जिसमें जयदीप का किरदार एक अलग लुक में नजर आया है। अब देखना होगा कि आखिर वो सीरीज में क्या रोल प्ले करने वाले हैं

वहीं नए सीजन में श्रीकांत की जॉब भी बदल चुकी है। पिछले सीजन में जहां वो एक कॉर्पोरेट कंपनी में काम कर रहा था, इस सीजन वो एक लाइफ एंड रिलेशनशिप काउंसलर बना है। 'फैमिली मैन' सीजन 3 में एक्ट्रेस निम्रत कौर की भी एंट्री हुई है। इसकी राइटिंग राज एंड डीके ने की है जो इसके डायरेक्टर भी हैं। 'फैमिली मैन' सीरीज जल्द अमेजॉन प्राइम पर रिलीज होगी जिसमें प्रियमणि, शारिब हाश्मी जैसे एक्टर्स भी सपोर्टिंग रोल्स में शामिल हैं।

नेटफ्लिक्स की सीरीज स्क्विड गेम 3 रिलीज हो गई है।

किरदारों ने दिखाया दम अब तक मिले-जुले रिएक्शन्स

नेटफ्लिक्स की मच अवेटेड सीरीज 'स्क्विड गेम सीजन 3' आखिरकार 27 जून को रिलीज हो गई है। पहले दो सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद, दर्शकों की उम्मीदें तीसरे और अंतिम सीजन से बहुत ज्यादा थीं। सीरीज के पहले 6 एपिसोड्स प्लेटफॉर्म पर रिलीज किए गए हैं। लेकिन क्या ये नया सीजन उन उम्मीदों पर खरा उतर पाया? चलिए आपको बताते हैं ऑडियंस की तरफ से शो को कैसी प्रतिक्रिया मिल रही है।

नेटफ्लिक्स का 'स्क्विड गेम 3' हुआ रिलीज

इस सीजन की कहानी की शुरुआत वहीं से होती है जहां पिछला सीजन खत्म हुआ था। खिलाड़ी 456 यानी गी-हुन अब बदले की आग में जल रहा है। वो टूटा हुआ है, मानसिक रूप से बिखरा हुआ है और एक बार फिर उसी जानलेवा खेल में कूद पड़ा है, जिसे उसने एक बार पहले जीत लिया था। लेकिन इस बार खेल और भी खतरनाक है और हर फैसला मौत का कारण बन सकता है। एक बार फिर मौत का खूनी खेल देखने को मिल रहा है लेकिन सोशल मीडिया पर आ रहीं प्रतिक्रियाओं की मानें तो इस बार कहानी कुछ ज्यादा ही भावनात्मक है।

स्क्विड गेम सीजन 3 से नाखुश दिखे फैंस

इस सीजन से फैंस को खास उम्मीदें थीं क्योंकि ये सीरीज का आखिरी सीजन है और इससे पहले के दो सीजन काफी दिलचस्प रहे हैं। लेकिन आखिरी सीजन ने अब तक फैंस को थोड़ा बहुत निराश किया है। एक यूजर ने लिखा- 'गि-हुन टूटा हुआ है, धोखा खाया हुआ है, और फिर उसी डरावने खेल में लौट आया है। अब खेल पहले से ज्यादा खतरनाक हैं। फैसले जानलेवा हैं और इस बार सिर्फ़ जिंदा रह जाना शायद काफी नहीं होगा। इस सीजन का मकसद आपका मनोरंजन नहीं, बल्कि आपको विचलित करना है।'

इस बार सीजन पहले से ज्यादा इमोशनल और रुलाने वाला रहा है। बस इसी को लेकर कई यूजर्स सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं। वहीं एक और यूजर ने लिखा- 'एक ही एपिसोड में 4 अहम किरदारों की मौत! ये पागलपन नहीं तो और क्या है!' एक और यूजर ने लिखा- 'एपिसोड 3 के बीच में ही... ये क्या चल रहा है यार। अब ये शो मजेदार नहीं रहा, ये तो इमोशनल टॉर्चर है!

अभिनय से किरदारों ने डाली जान

किरदारों की बात करें तो इस सीजन में कई दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिलती हैं। यिम सी-वॉन ने 'म्युंग-गी' के किरदार में ऐसा अभिनय किया है कि दर्शक उनके किरदार से नफरत करते हुए भी उनकी एक्टिंग के कायल हो जाएंगे। कांग हा-न्यूल की शांत लेकिन सटीक परफॉर्मेंस और पार्क सुंग-हून की दिल छू लेने वाली कहानी इस सीजन की मजबूत कड़ियां हैं।

खासकर ट्रांसवुमन के रूप में उनका किरदार, जो अंत तक निस्वार्थ बना रहता है, वाकई असरदार है। जो यू-री का किरदार 'जून-ही' के रूप में भी सराहनीय है, जो गर्भवती होने के बावजूद अंत तक साहस से लड़ती है। उनकी भूमिका दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में कामयाब रहती है।

फैंस को जोड़ने में नाकाम रहा सीजन?

अब सवाल उठता है कि क्या इस बार इसकी कहानी दर्शकों को खासा प्रभावित नहीं कर पाई। इसका जवाब देना अभी काफी जल्दबाजी हो जाएगा। क्योंकि फिलहाल शुरुआती रिएक्शन्स सामने आए हैं।

हालांकि, इस सीजन की सबसे बड़ी कमी इसकी कहानी में संतुलन की कमी बताई जा रही है। एक साथ कई प्लॉट दिखाने की कोशिश में कुछ अहम किरदारों को वो स्पेस नहीं मिला, जिसकी उनसे उम्मीद थी।

दूसरी बार मां बनीं इलियाना डिक्रूज; प्रियंका, मलाइका और विद्या ने दी शुभकामनाएं

इलियाना की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है 'खूबसूरत लड़की तुम्हें बहुत बहुत शुभकामकनाएं। अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज लंबे वक्त से फिल्मी दुनिया से दूर हैं। हालांकि वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। इलियाना सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं और यहां अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट देती रहती हैं। हाल ही में इलियाना ने फैंस के साथ अच्छी खबर शेयर की है।

दूसरी बार मां बनीं इलियाना

इलियाना डिक्रूज दूसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दी है। एक्ट्रेस ने पोस्ट में अपने बच्चे की झलक दिखाई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बच्चे की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा 'मेरे दिल भरे हुए हैं।' इलियाना ने अपने दूसरे बच्चे का नाम भी बताया है। इस पोस्ट को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

इलियाना की पोस्ट पर सेलेब्स ने किए कमेंट

इलियाना की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है 'खूबसूरत लड़की तुम्हें बहुत बहुत शुभकामनाएं।' अभिनेत्री सोफी चौधरी ने उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है 'डार्लिंग आपको शुभकामनाएं। तुम्हें और इस बच्चे को बहुत सारा प्यार'। अभिनेत्री विद्या बालन ने कमेंट करते हुए लिखा है। 'शुभकामनाएं। भगवान आप लोगों की रक्षा करे।'

वायरल हुई इलियाना की पोस्ट

इलियाना की यह पोस्ट खूब वायरल हो रही है। उनकी पोस्ट पर अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने भी कमेंट किया है और उन्हें बधाई दी है। इलियाना की पोस्ट पर अभिनेत्री अथिया शेट्टी ने भी कमेंट करके बधाई दी है। रिद्धिमा तिवारी ने भी उनकी पोस्ट पर कमेंट किया है।

इलियाना के बारे में

आपको बता दें कि इलियाना की शादी माइकल डोलान के साथ मई 2023 में हुई थी। अगस्त 2023 में उनका पहला बच्चा हुआ था। इलियाना ने अक्टूबर 2024 में अपनी दूसरी प्रेगनेंसी का एलान किया था। हाल ही में इलियाना ने सोशल मीडिया के जरिए कहा था 'लोगों और खासकर बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि क्रूर, दुष्ट, निर्दयी या स्वार्थी होना प्यार करने लायक गुण नहीं हैं। प्यार को सम्मान और खुशी से हासिल करना पड़ता है।

अखिल अक्किनेनी नागार्जुन के बेटे ने शेयर की शादी की बेहतरीन तस्वीरें, बांधा मंगलसूत्र, हाथ थाम कर लिए फेरे

अभिनेता अखिल अक्किनेनी ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। उनकी शादी 6 जून को एक निजी समारोह में हुई थी। साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन के बेटे और एक्टर अखिल अक्किनेनी ने जैनब रावदजी से एक निजी समारोह में शादी की थी। उन्होंने अब 22 दिनों के बाद अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

अक्किनेनी ने 6 जून को अपनी कई वर्षों से गर्लफ्रेंड रही जैनब रावदजी से शादी की थी। अक्किनेनी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमे वह दोनों बहुत खूबसूरत लग रहे हैं।

नागार्जुन ने शेयर की थी तस्वीरें

अपने बेटे की शादी के दिन ही नागार्जुन ने कई तस्वीरें शेयर की थीं। अब अखिल ने भी अपनी शादी की अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

अखिल ने 6 जून को सुबह 3.30 बजे शुभ मुहूर्त पर अन्नापूर्णा स्टूडियोज में शादी की थी। उनकी शादी में परिवार और बहुत ही करीबी लोग शामिल हुए थे।

खूबसूरत थे दोनों के कपड़े

अपनी शादी में अखिल ने धोती कुर्ता पहना था। वहीं जैनब ने सफेद सिल्क साड़ी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने जेवर पहने थे। जैनब ने बालों में गजरा लगाया था। शादी के दिन दोनों काफी खूबसूरत लग रहे थे।

बांधा मंगलसूत्र लिए फेरे

अखिल ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें एक तस्वीर में वह अपनी पत्नी को मंगलसूत्र बांधते हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा एक दूसरी तस्वीर में अखिल अपनी पत्नी के साथ फेरे लेते हुए नजर आ रहे हैं।

पोस्ट में लिखी दिल की बात

एक तस्वीर में अखिल अपनी पत्नी के साथ बेहतरीन पोज दे रहे हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए अखिल ने लिखा 'मेरा दिल आपसे अपनी लाइफ के सबसे अच्छे पल को शेयर करने का कर रहा है।' अखिल की पत्नी जैनब आर्टिस्ट हैं। वह अपनी बेहतरीन पेंटिंग के लिए जानी जाती हैं।

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के लिए कपिल शर्मा की कुल फीस आपको चौंका सकती है

कपिल शर्मा ने अपने नेटफ्लिक्स शो के तीसरे सीजन की शुरुआत सलमान खान के साथ की, जो पहले एपिसोड में मेहमान बनकर आए थे। यह सीजन इसलिए भी खास है क्योंकि ओजी जज नवजोत सिंह सिद्दू शो में वापस आ गए हैं।

कपिल शर्मा एक ऐसे भारतीय कॉमेडियन हैं, जिनकी सफलता की यात्रा को मिलेनियल्स और जेन जेड दोनों ने देखा है। पंजाबी गायक, अभिनेता और निर्माता ने अपने करियर की शुरुआत एमएच वन पर कॉमेडी शो 'हसदे हसांदे रहो' से की थी। हालांकि, उन्हें 2007 में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से पहचान मिली। और आखिरकार कलर्स चैनल पर उनके शो कॉमेडी नाइट्स विद कपिल से वे घर-घर में मशहूर हो गए। अब, कॉमेडियन ओटीटी पर चले गए हैं और अपने नेटफ्लिक्स शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो से तहलका मचा रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉमेडियन एक एपिसोड के लिए कितना चार्ज करते हैं?

कपिल शर्मा की तीन सीजन की फीस

कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कपिल शर्मा को सीजन 1 से ही शो के लिए हर एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि का भुगतान किया जाता है। उन्होंने पहले सीजन से 65 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय कमाई की, जो 13 एपिसोड तक चला और 22 जून, 2024 को समाप्त हुआ। दूसरा सीजन, जो 21 सितंबर से 14 दिसंबर, 2024 तक चला, में 13 एपिसोड थे और राजस्व भी उतना ही था। अनुमान है कि सीजन 3 शुरू होने के बाद एपिसोड की संख्या स्थिर रहेगी। अगर ऐसा है, तो कपिल 65 करोड़ रुपये और कमाएंगे, जिससे इस नेटफ्लिक्स सीरीज़ से उनका कुल मुनाफ़ा लगभग 200 करोड़ रुपये हो जाएगा! जी हाँ! कॉमेडियन को तीनों सीज़न के लिए 195 करोड़ रुपये की आश्चर्यजनक राशि मिल रही है।

तीसरे सीज़न के बारे में

कपिल शर्मा ने अपने नेटफ्लिक्स शो के तीसरे सीजन की शुरुआत सलमान खान के साथ की , जो पहले एपिसोड में मेहमान बनकर आए थे। यह सीजन इसलिए भी खास है क्योंकि शो में ओजी जज नवजोत सिंह सिद्दू की वापसी हुई है, साथ ही अर्चना पूरन सिंह भी हैं। उनके साथ, सुनील ग्रोवर , कृष्णा अभिषेक और प्रशंसकों के पसंदीदा कीकू शारदा सीजन 3 के लिए वापस आ गए हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो 3 का पहला एपिसोड 21 जून को प्रीमियर हुआ

टीम इंडिया ने दूसरे टेस्ट की तैयारी शुरू की, एजबेस्टन में तीन घंटे की प्रैक्टिस

बुमराह और कृष्णा गैरहाज़िर

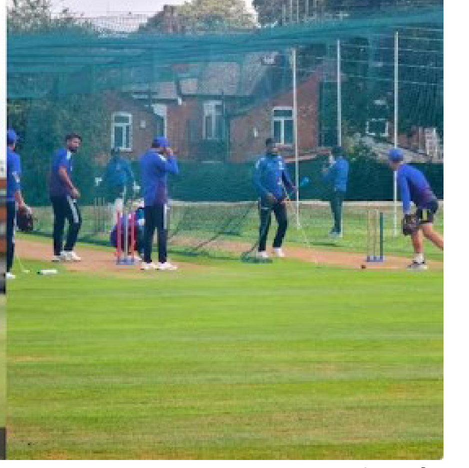

टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की तैयारी शुक्रवार (27 जून) को बर्मिंघम के एजबेस्टन में अपने पहले नेट सत्र के साथ प्रैक्टिस शुरू की। हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में पांच विकेट से मिली हार के बाद खिलाड़ियों ने पहली बार अभ्यास किया। भारतीय टीम 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है। शुभमन गिल के नेतृत्व में टीम सुबह 9:15 बजे स्थानीय समय पर मैदान पर पहुंची।

बर्मिंघम में चले तीन घंटे के अभ्यास में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा ने हिस्सा नहीं लिया

तीन घंटे से अधिक समय तक चले अभ्यास में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा ने हिस्सा नहीं लिया, हालांकि वह टीम के साथ ग्राउंड में आए थे। सिराज ने बल्लेबाजी की अभ्यास वहीं, मोहम्मद सिराज ने केवल बल्लेबाजी का अभ्यास किया और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ करीब 30 मिनट तक गेंद को छोड़ने, झुकने और खेलने की तकनीक पर काम किया।

अर्शदीप सिंह और आकाशदीप ने गेंदबाजी कोच से की बात

अभ्यास सत्र में अर्शदीप सिंह और आकाश दीप ने बल्ले और गेंद दोनों से लंबे समय तक अभ्यास किया। दोनों को मुख्य कोच गौतम गंभीर और सपोर्ट स्टाफ ने करीब से देखा। अर्शदीप ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ अपनी रन-अप, बैक-फुट लैंडिंग और समग्र तकनीक को बेहतर करने पर खासा ध्यान दिया। लीड्स से लेकर बर्मिंघम तक, अर्शदीप और मोर्कल के बीच नेट्स में लगातार चर्चा देखी गई। अर्शदीप ने अपने पंजाब के साथी शुभमन गिल के साथ भी नेट्स में कड़ा अभ्यास किया, जहां दोनों ने एक-दूसरे को चुनौती दी। आकाश दीप भी पूरे जोश के साथ गेंदबाजी करते नजर आए।

आकाश दीप और अर्शदीप को दूसरे टेस्ट में मिल सकती है जगह

दूसरे टेस्ट में आकाश दीप और अर्शदीप को मौका मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एजबेस्टन टेस्ट में जसप्रीत बुमराह के खेलने की संभावना नहीं है। ऐसे में आकाशदीप और अर्शदीप सिंह में से एक खिलाड़ी को मौका मिल सकता है। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा के प्रैक्टिस न करने से ये भी संकेत मिलते हैं कि दोनों को मौका मिल सकता है। इसके अलावा कुलदीप यादव भी एक ऑप्शन हैं।

शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने भी किया अभ्यास

ओपनर शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने भी करीब एक घंटे तक नेट्स में बल्लेबाजी की। दोनों ने शॉर्ट पिच गेंदों को छोड़ने और ड्राइव खेलने की प्रैक्टिस की। इंग्लैंड में स्विंग और सीम मूवमेंट को ध्यान में रखते हुए टीम मैनेजमेंट ने बल्लेबाजों को लंबा सेशन देने का फैसला किया है।

बॉलिंग यूनिट ने स्पॉट बॉलिंग पर दिया ध्यान

मोहम्मद सिराज ने गेंदबाजी अभ्यास में हिस्सा लिया। उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर बैक ऑफ लेंथ पर गेंदबाजी पर फोकस किया। इसके अलावा शमी और सिराज ने पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग पर भी काम किया। टीम बॉलिंग कोच पारस म्हांब्रे ने खिलाड़ियों को टाइट लाइन और लेंथ पर गेंद डालने की सलाह दी ताकि इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप को कम स्कोर पर रोका जा सके।

बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा क्यों नहीं आए नेट्स में?

टीम मैनेजमेंट के अनुसार जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की फिटनेस और workload मैनेजमेंट को देखते हुए उन्हें आराम दिया गया। बुमराह पिछले मैच में लंबा स्पैल डाल चुके हैं और उनकी पीठ को लेकर टीम सतर्क है। इसी वजह से वे सोमवार के सेशन में नहीं आए, लेकिन टीम सूत्रों का कहना है कि अगले अभ्यास सत्र में वे शामिल होंगे।

रविंद्र जडेजा और अश्विन ने प्रैक्टिस की जोड़ी में

रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों का अभ्यास किया। दोनों खिलाड़ियों ने स्लिप, शॉर्ट लेग और प्वाइंट पर कैचिंग ड्रिल्स में भी भाग लिया। इंग्लैंड की पिच पर स्पिनर्स का अहम रोल होने की संभावना है, इसी वजह से दोनों को एक साथ नेट्स में बॉलिंग कराई गई।

कोच द्रविड़ ने खिलाड़ियों से की बात

टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने प्रैक्टिस से पहले खिलाड़ियों को संबोधित किया और उनसे संयम के साथ खेल दिखाने को कहा। द्रविड़ ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में धैर्य, सटीक लाइन लेंथ, और मौका मिलने पर रन बनाने की नीति से ही सफलता मिलेगी।

क्या बदलाव कर सकती है टीम इंडिया?

अगर बुमराह फिट रहते हैं तो वह खेल सकते हैं। अगर वह बाहर रहते हैं, तो प्रसिद्ध कृष्णा या नवदीप सैनी को मौका मिल सकता है। इसके अलावा टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा। टीम मैनेजमेंट इंग्लैंड की कंडीशंस और पिच की स्थिति देखने के बाद अंतिम एकादश तय करेगा।

इंग्लैंड में इतिहास रचने के करीब पंत: लगातार तीसरा शतक लगाकर

-द्रविड़ के बाद बने सकते हैं दूसरे भारतीय

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक और शतक के साथ डॉन ब्रैडमैन, राहुल द्रविड़ और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट शुरू होगा। लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में पंत ने दोनों इनिंग में सेंचुरी लगाई थी। उन्होंने पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। हालांकि भारत यह मैच 5 विकेट से हार गया था।

द्रविड़, लारा और ब्रैडमैन के लिस्ट में हो सकते हैं शामिल

अगर पंत एजबेस्टन टेस्ट में एक और शतक लगाते हैं, तो वे इंग्लैंड में लगातार 3 टेस्ट शतक लगाने वाले सिर्फ सातवें विदेशी बल्लेबाज बन जाएंगे। इस लिस्ट में अब तक डॉन ब्रैडमैन, वॉरेन बार्डस्ले, चार्ल्स मैकार्टनी, राहुल द्रविड़, ब्रायन लारा और डेरिल मिचेल शामिल हैं। राहुल द्रविड़ इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय हैं, जिन्होंने 2002 में नॉटिंघम (115 रन), लीड्स (148 रन) और द ओवल (217 रन) में लगातार शतक लगाए थे। डेरिल मिचेल ने 2022 में लॉर्ड्स (108 रन), नॉटिंघम (190 रन) और लीड्स (109 रन) में यह कारनामा किया।

पंत के रिकार्ड्स...

भारतीय विकेटकीपर के रूप में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। उनके अब 8 शतक हो चुके हैं। पंत SENA देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) में किसी भी एशियाई विकेटकीपर द्वारा सबसे ज्यादा रन बना चुके हैं। उनके 27 मैच में 1933 रन हैं। इसमें 6 शतक और 5 फिफ्टी शामिल है। पंत पहले भारतीय विकेटकीपर हैं, जिन्होंने टेस्ट के एक इनिंग की दोनों पारियों में शतक लगाया है।

पंत इंग्लैंड में 808 रन बना चुके

अब तक ऋषभ पंत इंग्लैंड में 10 टेस्ट की 19 पारियों में 808 रन बना चुके हैं। उनका औसत 42.52 का है, जिसमें 4 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। उनका बेस्ट स्कोर 146 रन है, जो उन्होंने जुलाई 2022 में एजबेस्टन में ही 111 गेंदों में 19 चौकों और 4 छक्कों के साथ बनाया था। उस पारी में उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर 98/5 के स्कोर से भारत को 416 रन तक पहुंचाया था। हालांकि भारत वह मैच हार गया था क्योंकि इंग्लैंड ने चौथी पारी में इतिहास बनाते हुए अपने टेस्ट इतिहास का सबसे बड़ा 378 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया था।

5 खिलाड़ियों के शतक के बाद भी हेडिंग्ले टेस्ट हारा भारत

हेडिंग्ले टेस्ट में पांच बल्लेबाजों के शतक लगाने के बाद भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ कि किसी टीम ने पांच शतक लगाने के बावजूद मैच गंवाया। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत (दो बार) ने शतक बनाए, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 371 रनों का लक्ष्य हासिल कर पांच विकेट से जीत दर्ज की। बेन डकेट ने दूसरी इनिंग में 149 रनों की पारी खेली। दोनों टीमों के बीच कुल 1673 रन बने, जो भारत-इंग्लैंड टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

दूसरे टेस्ट से पहले जोफ्रा आर्चर इंग्लैंड टीम में शामिल

ECB ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले जोफ्रा आर्चर को टीम में शामिल किया है। इंग्लिश बोर्ड ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी। बोर्ड ने X पोस्ट में लिखा- 'जोफ्रा आर्चर इज बैक।

भारत की टेस्ट टीम (इंग्लैंड सीरीज के लिए)

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम (दूसरे टेस्ट के लिए)

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवर्टन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

राहुल द्रविड़ के बाद इतिहास रचने का मौका

भारतीय क्रिकेट में राहुल द्रविड़ को विदेशी पिचों पर बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है। साल 2002 में इंग्लैंड दौरे पर द्रविड़ ने लगातार तीन टेस्ट मैचों में शतक जड़े थे। अब पंत के पास वही कारनामा दोहराने का मौका है। पंत ने पिछली दो पारियों में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए हैं और तीसरे शतक के साथ इतिहास में नाम दर्ज करा सकते हैं।

पिछली दो पारियों में पंत की धमाकेदार बल्लेबाजी

पंत ने पिछले टेस्ट में 146 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने सिर्फ 111 गेंदों में शतक पूरा किया। इसके पहले भी उन्होंने 103 रनों की पारी खेली थी। दोनों पारियों में उनकी बल्लेबाजी में आत्मविश्वास और आक्रामकता देखने को मिली। इंग्लैंड की परिस्थियों में जहां तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है, वहां पंत ने अपनी तकनीक और स्ट्रोकप्ले से विपक्षी टीम पर दबाव बनाया।

इंग्लैंड में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज की नई पहचान

पंत ने इंग्लैंड की पिचों पर भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाजों की पारंपरिक छवि को बदल कर रख दिया है। जहां पहले भारतीय विकेटकीपर पारी को संभालने की भूमिका निभाते थे, वहीं पंत आक्रामक रुख अपनाकर विपक्ष को दबाव में डालते हैं। उनके इस अंदाज से इंग्लैंड के गेंदबाजों की रणनीतियों को बार-बार बदलना पड़ता है।

ऑस्ट्रेलिया ने बारबाडोस में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया, हेजलवुड-लायन की घातक गेंदबाज़ी

-वेस्टइंडीज की पारी धराशायी

बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन के आखिरी सत्र में जोश हेजलवुड की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 141 रन पर ऑलआॅउट कर दिया। नाथन लायन ने दिन की आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। हेजलवुड ने दूसरी इनिंग में 43 रन देकर 5 विकेट लिए। यह मैच ऑस्ट्रेलिया की जीत से ज्यादा घटिया अंपायरिंग के लिए जाना जाएगा। इस मैच में अंपायर ने कुछ विवादित फैसले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिए हैं, जिसके चलते इस मैच में हुई अंपायरिंग की जमकर आलोचना हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 310 रन बनाए

ऑस्ट्रेलिया ने 10 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में वापसी करते हुए 310 रन बनाए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और पहली पारी में मात्र 180 रन पर ऑलआउट हो गई। ट्रैविस हेड ने सर्वाधिक 59 रन बनाए थे। उन्होंने दूसरी पारी में 50 रन बनाए। वह मैन ऑफ द मैच रहे। ट्रैविस के अलावा दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए एलेक्स कैरी 65 और ब्यू वेबस्टर ने 63 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ ने अपनी दूसरी पारी में भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज 7 खिलाड़ी डबल डिजिट में रन नहीं बना पाएं

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 10 रन की बढ़त लिया था। दूसरी पारी में जीत के लिए उसे 301 का टारगेट का मिला। कैरेबियाई बल्लेबाज जोश हेजलवुड की गेंदबाजी के सामने बेबस नजर आए। वेस्टइंडीज के 7 खिलाड़ी डबल डिजिट में रन नहीं बना पाएं और कैरेबियाई टीम मात्र 141 रनों पर ढेर हो गई। उसे 159 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के लिए अंतिम विकेट के लिए शमार जोसेफ (44) और जस्टिन ग्रीव्स (38 नाबाद) ने 55 रनों की साझेदारी कर थोड़ी चुनौती पेश की, लेकिन यह नाकाफी थी। नाथन लियोन ने अंतिम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को शानदार जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में जोश हेजलवुड ने 5 विकेट लिए। इनके अलावा नाथन लायन ने दो, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने एक- एक विकेट लिए।

जीत के मायने

यह जीत ऑस्ट्रेलिया के लिए कई मायनों में अहम रही। पहली बात, इससे उसके गेंदबाज़ों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हेजलवुड और लायन ने दिखा दिया कि वह किसी भी पिच पर विकेट निकाल सकते हैं। दूसरी बात, बल्लेबाज़ों ने भी जिम्मेदारी से खेला और पहली पारी में अच्छा स्कोर बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में खड़ा किया। इस जीत ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज़ में 1-0 की बढ़त दिला दी है और अगर वह अगला टेस्ट भी जीत लेता है, तो वह सीरीज़ पर कब्जा कर लेगा।

वेस्टइंडीज के लिए सबक

इस हार से वेस्टइंडीज को सीखना होगा कि टेस्ट क्रिकेट में टिककर खेलना ज़रूरी होता है। उसकी बल्लेबाज़ी दोनों पारियों में बिखरी रही और किसी ने भी लंबी पारी खेलने की कोशिश नहीं की। गेंदबाज़ों ने कोशिश की लेकिन बड़े स्कोर का बचाव करना उनके लिए मुश्किल रहा। आने वाले टेस्ट में वेस्टइंडीज को अपनी बल्लेबाज़ी पर ज्यादा ध्यान देना होगा और शॉर्ट पिच गेंदों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करना होगा।

बारबाडोस में खेला गया यह टेस्ट मैच एकतरफा तो नहीं था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दिखा दिया कि क्यों उसकी गिनती विश्व की बेहतरीन टीमों में होती है। उसके गेंदबाज़ों ने परिस्थितियों का सही इस्तेमाल किया, बल्लेबाज़ों ने संयम से रन बनाए और फील्डिंग भी शानदार रही। अब देखना होगा कि वेस्टइंडीज अगला टेस्ट कैसे खेलती है और क्या वह ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दे पाएगी या नहीं। लेकिन फिलहाल, यह जीत ऑस्ट्रेलिया के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली और टेस्ट चैंपियनशिप में उसकी स्थिति को मजबूत करने वाली रही।

नाथन लायन और हेजलवुड की घातक गेंदबाज़ी

नाथन लायन ने एक बार फिर अपनी फिरकी से वेस्टइंडीज के बल्लेबाज़ों को परेशान किया और 5 विकेट हासिल किए। वहीं हेजलवुड ने 3 विकेट लेकर उनकी मदद की। कमिंस और स्टार्क ने भी कसी हुई गेंदबाज़ी की, जिससे वेस्टइंडीज पर दबाव बना रहा। पूरी टीम 250 रनों पर ऑलआउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 159 रनों से जीत लिया।

बारबाडोस में खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में जोश हेजलवुड और नाथन लायन ने अहम भूमिका निभाई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 350 रन बनाए, जिसमें ख्वाजा और लाबुशेन ने अर्धशतक जमाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 197 रन पर सिमट गई। हेजलवुड और लायन ने 4-4 विकेट लेकर वेस्टइंडीज की बल्लेबाज़ी की कमर तोड़ दी। बारबाडोस में खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत में जोश हेजलवुड और नाथन लायन ने अहम भूमिका निभाई।

यूथ वनडे में भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, वैभव की शानदार बल्लेबाज़ी

-कनिष्क की घातक गेंदबाज़ी से सीरीज़ में बनाई बढ़त

वैभव सूर्यवंशी के 48 रन की बदौलत इंडिया U-19 ने इंग्लैंड U-19 को पहले यूथ वनडे में 6 विकेट से हरा दिया। काउंटी ग्राउंड होव में टॉस जीतकर बल्लेबाजी कर रही इंग्लिश टीम 42.2 ओवर में 174 रन पर ही सिमट गई। भारत से कनिष्क चौहान ने 3 विकेट लिए। जवाब में 24 ओवर में ही भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 178 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। अभिज्ञान कुंदू ने 45 रन की पारी खेली।

वैभव अर्धशतक से चूके

वैभव सूर्यवंशी ने 5 छक्कों की मदद से 19 बॉल पर 48 रन की पारी खेली। उन्होंने 252.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। वैभव और आयुष म्हात्रे ने मिलकर पहले विकेट के लिए 7.3 ओवर में 71 रन की साझेदारी की।

वैभव के अलावा अभिज्ञान कुंदू ने 34 बॉल पर 4 चौके और एक सिक्स की मदद से 45 रन की पारी खेली। पहले वनडे मैच में वैभव ने गेंदबाजी भी की। वैभव ने एक ही ओवर डाला, जिसमें उन्होंने केवल दो रन दिए।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे ने फिफ्टी लगाई

इंग्लैंड की तरफ से ओपनिंग करने आए ईशाक मोहम्मद ने शानदार 42 रन बनाए। उन्होंने पारी में 3 चौके और 4 सिक्स लगाए। एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 56 रन बनाए। उन्होंने 90 बॉल का सामना करते हुए 3 चौके और 3 सिक्स भी लगाए।

कनिष्क चौहान को 3 विकेट

भारत की तरफ से कनिष्क चौहान ने 3 इंग्लिश बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। उन्होंने जोसफ मूर्स (9 रन), राल्फि अल्बर्ट (5 रन) और जेम्स मिंटो (10 रन) को पवेलियन भेजा। उनके अलावा हेनिल पटेल, आर एस अम्ब्रीश और मोहम्मद इनान ने 2-2 विकेट लिए। दूसरा यूथ वनडे मैच 30 जून को खेला जाएगा।

भारत की पारी: वैभव ने संभाला मोर्चा

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। ओपनर आयुष 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रोहित भी 18 रन बनाकर चलते बने। स्कोर 45/2 होने के बाद वैभव ने क्रीज़ पर टिककर पारी को संभाला और शानदार शॉट्स लगाते हुए रन गति को बनाए रखा। वैभव ने 72 गेंदों में 48 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल थे। उन्होंने समीर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर टीम को मज़बूती दी। समीर ने 34 रन बनाए और वैभव के आउट होने के बाद भी रन गति को बनाए रखा। अंत में आरव ने 22 गेंदों में 27 रन बनाकर मैच को 38वें ओवर में खत्म किया।

भारत ने 38.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 176 रन बना लिए और 6 विकेट से यह मुकाबला अपने नाम किया।

कनिष्क की शानदार गेंदबाज़ी

इस मैच में कनिष्क ने जिस तरह लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी की, वह काबिल-ए-तारीफ रही। उन्होंने नई गेंद से स्विंग का पूरा फायदा उठाते हुए इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर को परेशान किया। उन्होंने जोश, ओली और सैम के महत्वपूर्ण विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी की रीढ़ तोड़ दी। उनकी गेंदबाज़ी में अनुशासन साफ दिखा और उन्होंने विकेट निकालकर बार-बार भारत को मैच में बढ़त दिलाई।

क्षेत्ररक्षण में सुधार दिखा

भारतीय यूथ टीम ने इस मैच में क्षेत्ररक्षण में भी सुधार दिखाया। आरव और समीर ने शानदार कैच पकड़े और कई बाउंड्री रोककर इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों पर दबाव बनाए रखा। विकेटकीपर के रूप में आदित्य ने भी तेज़ स्टंपिंग और कैच पकड़कर गेंदबाज़ों का पूरा साथ दिया।

कोच की प्रतिक्रिया

मैच के बाद भारतीय युवा टीम के कोच संदीप शर्मा ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, "यह जीत पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। वैभव ने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाज़ी की और कनिष्क ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाज़ी की। हम इसी आत्मविश्वास के साथ आगामी मुकाबलों में उतरेंगे।"

इंग्लैंड की कमज़ोर बल्लेबाज़ी

इंग्लैंड की युवा टीम के लिए यह मुकाबला सबक लेने वाला रहा। उनके बल्लेबाज़ शुरुआत में विकेट फेंकते गए और साझेदारी नहीं बना पाए। कप्तान जोश ने ज़रूर अच्छी पारी खेली लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिला। इसके अलावा इंग्लैंड के गेंदबाज़ भी विकेट लेने में संघर्ष करते दिखे और भारतीय बल्लेबाज़ों पर दबाव बनाने में असफल रहे। भारत अंडर-19 ने पहले यूथ वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया। इंग्लैंड 174 रन पर सिमट गई, कनिष्क चौहान ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने 48 रन और अभिज्ञान कुंदू ने 45 रन बनाए। कनिष्क की सटीक गेंदबाज़ी और टीम के बेहतर क्षेत्ररक्षण ने जीत में अहम भूमिका निभाई। कोच संदीप शर्मा ने पूरी टीम की मेहनत की तारीफ की। भारत अंडर-19 टीम ने पहले यूथ वनडे में इंग्लैंड को हराकर अपनी बेहतरीन तैयारी और संतुलित खेल का प्रदर्शन किया। वैभव की तेज़तर्रार बल्लेबाज़ी और कनिष्क की सटीक गेंदबाज़ी ने जीत की बुनियाद रखी।

कोलंबो टेस्ट: निसंका का शतक 458 पर ऑलआउट हुई श्रीलंका

-बांग्लादेश दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर संकट में

कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका ने अपनी पहली पारी 458 रन पर समाप्त की। पथुम निसंका ने शानदार शतक जमाया, वहीं बांग्लादेश की टीम स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर सिर्फ 123 रन ही बना सकी और टीम पर हार का संकट मंडरा रहा है। श्रीलंका ने पहली पारी के आधार पर 235 रन की बढ़त हासिल कर ली थी, ऐसे में बांग्लादेश अभी भी 112 रन पीछे है और उसके सिर्फ 4 विकेट शेष हैं। कोलंबो टेस्ट के तीसरे दिन श्रीलंका मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। दूसरे टेस्ट में टीम ने स्टंप्स तक बांग्लादेश के 115 रन पर 6 विकेट गिरा दिए हैं। बांग्लादेश अभी भी श्रीलंका के पहली पारी के स्कोर 458 रन से 96 रन पीछे हैं। लिटन दास 13 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं। श्रीलंका से प्रभाथ जयसूर्या और धनंजय डी सिल्वा ने 2-2 विकेट लिए।

शुक्रवार को श्रीलंका ने पथुम निसंका के शानदार 158 रन और दिनेश चंडीमल के 93 रन की बदौलत पहली पारी में 458 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने 84 रन की तेज पारी खेली। बांग्लादेश की तरफ से तैजुल इस्लाम ने 5 और नईम हसन ने 3 विकेट लिए। बांग्लादेश की पहली पारी 247 रन पर सिमट गई थी।

स्टंप्स से ठीक पहले मेहदी आउट हुए

बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी की शुरुआत करने आए अनामुल हक को चाय से ठीक पहले के आखिरी ओवर में असिथा फर्नांडो ने 19 रन पर पवेलियन भेजा। हक ने 2 चौका और एक सिक्स लगाए। उन्होंने शादमान इस्लाम के साथ पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। शादमान इस्लाम (12 रन), मोमिनुल हक (15 रन) और मुश्फिकुर रहीम (26 रन) बनाकर आउट हुए। टीम से कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर तक पिच पर टिक नहीं सका। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो का विकेट 19 रन पर डी सिल्वा ने लिया। तीसरे दिन के स्टंप्स से ठीक पहले मेहदी हसन मिराज को थारिंदु रथनायके ने 11 रन पर LBW किया।

ओपनर्स की फिफ्टी पार्टनरशिप

दूसरे दिन के पहले सेशन में बांग्लादेश को 247 रन पर ऑलआउट करने के बाद श्रीलंकाई टीम ने मजबूत शुरुआत की। पथुम निसंका और लहिरू उदारा की जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। यहां टीम का स्कोर 83/0 रहा।

श्रीलंकाई ओपनर्स की साझेदारी को तैजुल इस्लाम ने तोड़ा। उन्होंने लहिरू उदारा को 40 रन के स्कोर पर LBW कर दिया। निसंका और उदारा ने पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े।

निसंका का तीसरा शतक, चंडीमल के साथ 194 रन की साझेदारी

88 रन पर पहला विकेट गंवाने के बाद पथुम निसंका ने दिनेश चंडीमल के साथ शतकीय साझेदारी करके श्रीलंकाई टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने चंडीमल के साथ मिलकर 311 बॉल पर 194 रन बनाए। चंडीमल 93 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नईम हसन ने लिटन दास के हाथों कैच कराया। निसंका 158 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें तैजुल इस्लाम ने आउट किया। अगर टीम को मैच ड्रॉ कराना है तो उसे पूरे चौथे और पांचवें दिन बल्लेबाजी करनी होगी, जो आसान नहीं होगा।

राजनाथ ने चीनी समकक्ष से मुलाकात की, जटिल मुद्दों को सुव्यवस्थित तंत्र के तहत सुलझाने का आह्वान किया

» चिंगदाओ-नई दिल्ली, भाषा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष दोंग जुन से कहा है कि भारत और चीन को सीमाओं पर तनाव कम करने तथा सरहदों के निर्धारण की मौजूदा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने से संबंधित कदम उठाकर एक सुव्यवस्थित रूपरेखा के तहत जटिल मुद्दों को सुलझाना चाहिए। सिंह और दोंग ने बृहस्पतिवार को चीन के बंदरगाह शहर चिंगदाओ में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति व स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की ओर से जारी एक बयान के अनुसार रक्षा मंत्री ने सर्वोत्तम पारस्परिक लाभ के लिए अच्छे पड़ोस की परिस्थितियां कायम करने की आवश्यकता पर जोर दिया और 2020 में पूर्वी लद्दाख में हुए गतिरोध के परिणामस्वरूप उत्पन्न विश्वास की कमी को दूर करने के लिए जमीनी स्तर पर कार्रवाई का आह्वान किया। नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने दोंग को निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए पहलगाम आतंकवादी हमले और पाकिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी जानकारी दी।

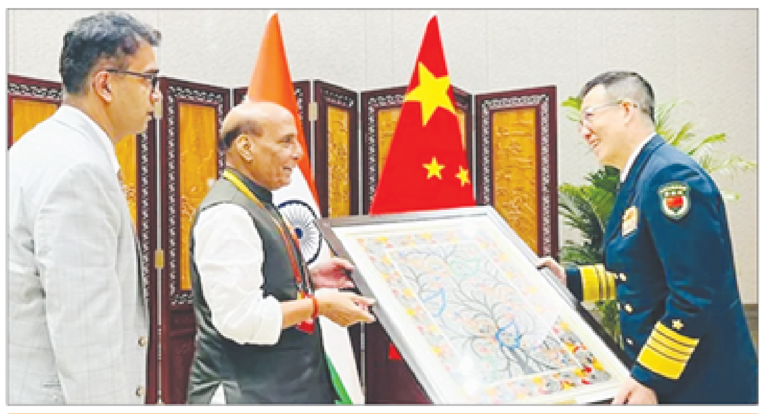

मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने मौजूदा तंत्रों के माध्यम से सैनिकों की वापसी, तनाव कम करने, सीमा प्रबंधन और अंततः सीमा निर्धारण से संबंधित मुद्दों पर आगे बढ़ने के लिए विभिन्न स्तरों पर परामर्श जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध समाप्त करने के लिए पिछले साल अक्टूबर में सहमति बनी थी, जिसके बाद नई दिल्ली और बीजिंग के संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों के बीच भारतीय रक्षा मंत्री की यह चीन यात्रा हुई है। सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में दोंग के साथ बातचीत को सार्थक बताया। उन्होंने कहा, हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक और दूरदर्शितापूर्ण वार्ता की। लगभग छह साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू होने पर खुशी जाहिर की। सिंह ने कहा, दोनों पक्षों के लिए यह आवश्यक है कि वे इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं से बचें। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह और दोंग ने भारत-चीन सीमा पर शांति बनाए रखने की आवश्यकता पर गहन चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने द्विपक्षीय संबंधों को दोबारा सामान्य के लिए दोनों पक्षों की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की।बयान में कहा गया है, उन्होंने स्थाई संपर्क और तनाव कम करने के एक स्थापित तंत्र के माध्यम से जटिल मुद्दों को हल करने की आवश्यकता का उल्लेख किया। बयान के अनुसार, सिंह ने सीमा प्रबंधन और इस मुद्दे पर स्थापित तंत्र को पुनर्जीवित करके सीमा मुद्दे का स्थाई समाधान निकालने पर भी जोर दिया। मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री ने सर्वोत्तम पारस्परिक लाभ हासिल करने के लिए पड़ोसी देशों के बीच अच्छा माहौल बनाने की आवश्यकता और एशिया और विश्व में स्थिरता के लिए सहयोग करने पर भी जोर दिया। बयान में कहा गया है, उन्होंने 2020 के सीमा गतिरोध के बाद पैदा हुई विश्वास की कमी को जमीनी स्तर पर कदम उठाकर दूर करने का भी आह्वान किया। मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने के महत्वपूर्ण अवसर का भी जिक्र किया और पांच साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि सिंह ने दोंग को एक मधुबनी पेंटिंग ट्री ऑफ लाइफ भी भेंट की। चीन की ओर से जारी बयान के अनुसार, सिंह ने दोंग के साथ बैठक में कहा कि भारत चीन के साथ संघर्ष या टकराव नहीं चाहता, तथा वह मतभेदों को उचित ढंग से निपटाने, संवाद बढ़ाने एवं द्विपक्षीय संबंधों के सतत विकास के लिए आपसी विश्वास को बढ़ावा देने का इच्छुक है। तिब्बत में कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली के बीच सिंह की चीन यात्रा हुई है। कैलाश मानसरोवर यात्रा को शुरू में 2020 में कोविड-19 महामारी और उसके बाद पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध के कारण निलंबित कर दिया गया था। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ-साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ और उस वर्ष जून में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के परिणामस्वरूप दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। पिछले वर्ष 21 अक्टूबर को हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया।

चीन के रक्षा मंत्री ने एससीओ के समकक्षों से मुलाकात की

चिंगदाओ। चीन के रक्षा मंत्री दोंग जुन ने बृहस्पतिवार को भारत सहित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें कीं। चीनी मीडिया ने यह जानकारी दी। एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्री दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के चिंगदाओ में थे। भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी पर निशाना साधा

ममदानी की जीत ने न्यूयॉर्क शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया: भारतीय समुदाय के सदस्य

» न्यूयॉर्क, भाषा।

न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के चुनाव में भारतीय-अमेरिकी जोहरान क्वामे ममदानी की जीत ने शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया है। भारतीय समुदाय के सदस्यों ने यह बात कही है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ममदानी पर निशाना साधते हुए उन्हें 100 प्रतिशत पागल वामपंथी कहा है। मशहूर भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर और भारतीय मूल के युगांडाई लेखक महमूद ममदानी के पुत्र 33 वर्षीय ममदानी को मंगलवार रात मेयर पद की उम्मीदवारी के लिए हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में विजई घोषित किया गया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, आखिरकार यह हो गया, डेमोक्रेटिक पार्टी ने हद पार कर दी। 100 प्रतिशत पागल वामपंथी जोहरान ममदानी ने डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की और वह मेयर बनने की राह पर है। डिजिमेंट्स के सीईओ और मीडिया व राजनीति पर लंबे समय से नजर रखने वाले श्री श्रीनिवासन ने कहा कि ममदानी की जीत ने न्यूयॉर्क शहर की राजनीति को हिलाकर रख दिया है। श्रीनिवासन ने कहा, यह घटनाक्रम आश्चर्यजनक रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का ध्यान खींच रहा है - जिन लोगों से आप कभी उम्मीद नहीं करते कि वे भी इस मामले पर अपनी राय दे रहे हैं। नवंबर तक का वक्त रोमांचक होगा।

इस चुनाव पर सबकी नजरें होंगी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के सलाहकार रहे अजय भूटोरिया ने कहा कि न्यूयॉर्क सिटी डेमोक्रेटिक मेयर पद के प्राइमरी चुनाव में ममदानी की ऐतिहासिक जीत समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, जमीनी स्तर पर समर्थन प्राप्त और सामर्थ्य के दृष्टिकोण से प्रेरित उनका अभियान क्वीन्स के दक्षिण एशियाई इलाकों से लेकर ब्रूकलिन के प्रगतिशील केंद्रों तक विविधतापूर्ण न्यूयॉर्क वासियों के बीच खूब चर्चा में है। हालांकि, भूटोरिया ने कहा कि वह ममदानी की पुलिस की फंडिंग बंद करने की नीति को लेकर चिंतित हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री और हिंदुओं के खिलाफ उनके भड़काऊ बयान, इंतिफादा (विद्रोह) को वैश्विक बनाने का उनका आह्वान और इजराइल विरोधी सोच से यहूदियों के खिलाफ हिंसा भड़क सकती है, जिससे एकता के बजाय विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। भूटोरिया ने कहा, मैं जोहरान से इन घृणित और विभाजनकारी नीतियों व संदेशों का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह करता हूं, ताकि हमारे समुदाय के समावेशी मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके। चूंकि वह चार नवंबर, 2025 को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं, इसलिए मैं दक्षिण एशियाई लोगों को उनकी सोच का गंभीरता से मूल्यांकन करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह सुरक्षा व एकता तथा सभी समुदायों और धर्मों के प्रति सम्मान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप हो। सामुदायिक सहभागिता और नागरिक भागीदारी के माध्यम से दक्षिण एशियाई और भारतीय-अमेरिकी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए काम करने वाले संगठन इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट ने कहा कि ममदानी न्यूयॉर्क शहर के मेयर के लिए संभावित डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बन गए हैं। ममदानी को बधाई देते हुए, इंडियन-अमेरिकन इम्पैक्ट ने कहा कि उसका मानना है कि मूल्यों पर आधारित उम्मीदवारी और संदेशों पर आधारित अभियान से एक ऐसा प्रतिनिधित्व तैयार होगा।

रूबियो और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय शांति के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई

» इस्लामाबाद, भाषा।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को क्षेत्र में शांति व स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई। रुबियो ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी शरीफ से बात की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा, दोनों नेताओं ने इजराइल और ईरान के बीच स्थाई शांति को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने के महत्व को स्वीकार किया। पाकिस्तान सरकार की ओर से एक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने, विशेष रूप से व्यापार बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहने पर सहमति व्यक्त की।

बयान के अनुसार, पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए शरीफ ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान

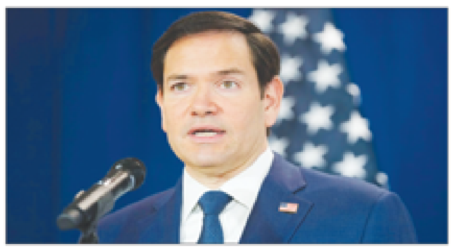

क्षेत्र में शांति स्थापित करने में रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा। इस बयान में कहा गया है कि शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साहसी और निर्णायक नेतृत्व की भी प्रशंसा की, जिसके कारण ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम हुआ। बयान के अनुसार, उन्होंने भारत-पाक संघर्ष विराम में अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए रुबियो को धन्यवाद भी दिया।

सामाजिक आर्थिक मुद्दों के समाधान में एआई के प्रभाव को लेकर भारत के साथ काम कर रहा है यूनेस्को

बैंकॉक, (भाषा)। यूनेस्को प्रौद्योगिकी नवाचार और सामाजिक व आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव को लेकर भारत के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारत अगले साल की शुरुआत में एआई प्रभाव वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। यूनेस्को के सामाजिक और मानव विज्ञान क्षेत्र की एआई यूनिट के नीतिशास्त्र प्रमुख इराकली खोडेली ने कहा, डिजिटल परिवर्तन और प्रौद्योगिकी नवाचार व सही नीति के साथ कुछ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को संबोधित करने के मामले में भारत बाकी दुनिया के लिए एक चमकता सितारा है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के अधिकारी ने यहां एआई की नैतिकता पर तीसरे यूनेस्को वैश्विक फोरम 2025 में पीटीआई-भाषा से कहा, दुनिया इसके बारे में जानने के लिए भारत की ओर देख रही है। यह अगले साल के शिखर सम्मेलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। यूनेस्को के 193 सदस्य देश हैं। संगठन ने एआई सुरक्षा को लेकर 2023 में ब्रिटेन में पहला शिखर सम्मेलन जबकि 2024 में दक्षिण कोरिया में दूसरा शिखर सम्मेलन आयोजित किया था। इस वर्ष फरवरी में पेरिस में एआई एक्शन को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

लुइसियाना ने प्राकृतिक गैस को हरित ऊर्जा की श्रेणी में शामिल किया

वॉशिंगटन। अमेरिका के लुइसियाना राज्य ने एक नया कानून पारित किया है, जिसके तहत अब प्राकृतिक गैस को हरित ऊर्जा माना जाएगा। इस हफ्ते राज्य के रिपब्लिकन गवर्नर जेफ लैंड्री ने इस नए कानून पर हस्ताक्षर किए। हालांकि प्राकृतिक गैस एक जीवाश्म ईंधन है जो पृथ्वी को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करता है। लुइसियाना ऐसा करने वाला चौथा राज्य है। इससे पहले इंडियाना, ओहायो और टेनेसी जैसे रिपब्लिकन शासित राज्यों ने भी इसी तरह के कानून पास किए हैं। गवर्नर जेफ लैंड्री का कहना है कि यह कानून राज्य को ऊर्जा स्वतंत्रता और प्रभुत्व की ओर ले जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रूस-यूक्रेन ने एक दूसरे पर दागे लंबी दूरी वाले ड्रोन

» कीव, भाषा।

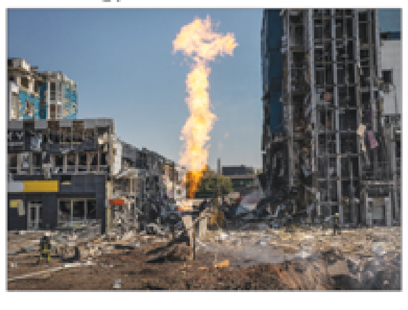

रूसी सेना ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार की दरमियानी रात यूक्रेन पर 363 ड्रोन एवं आठ मिसाइलों से हमला किया, इनमें शाहिद और डिकॉय ड्रोन शामिल हैं। इसके साथ ही यूक्रेन की वायु सेना ने चार ड्रोन को छोड़कर बाकी ड्रोनों और छह क्रूज मिसाइलों को मार गिराया है। इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रात भर कई क्षेत्रों में 39 यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए, जिनमें रोस्तोव क्षेत्र में 19 और वोल्गोग्राद क्षेत्र में 13 ड्रोन शामिल हैं। दोनों क्षेत्र यूक्रेन के पूर्व में स्थित है। रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध में लंबी दूरी के ड्रोन हमलों ने वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बनाई है। दोनों देशों के बीच संघर्ष चौथे साल में प्रवेश कर चुका है। दोनों पक्षों द्वारा तेजी से विकसित किए जा रहे घातक ड्रोनों ने युद्ध को नए हथियारों के परीक्षण के मैदान में तब्दील कर दिया है।

यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूस द्वारा दागे गए ड्रोनों में से 359 को या तो मार गिराया गया या फिर जाम कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेनी हमले के कारण रूस के तीन हवाई अड्डों से कुछ समय के लिए उड़ानें निलंबित कर दी गईं। उन्होंने बताया कि रात भर क्रीमिया को निशाना बनाकर किए गए हमलों के कारण क्रीमिया ब्रिज को भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया।रूस और यूक्रेन ने हमलों में किसी बड़े नुकसान या लोगों के हताहत होने की सूचना नहीं दी है।

भारत के साथ बहुत बड़ा व्यापार समझौता होने वाला है: ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ एक बहुत बड़ा व्यापार समझौता होने वाला है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता प्रक्रिया में महत्वपूर्ण प्रगति का संकेत दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन पार्टी के कर एवं व्यय कटौती विधेयक को पारित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, हमारे पास कुछ बेहतरीन समझौते हैं। हम एक और समझौता करने जा रहे हैं, संभवतः भारत के साथ। बहुत बड़ा... ट्रंप ने कहा, चीन समझौते में, हम चीन के लिए द्वार खोलने की शुरुआत कर रहे हैं। ऐसी चीजें जो वास्तव में कभी नहीं हुईं...सभी देशों के साथ संबंध बहुत अच्छे हैं। राष्ट्रपति ने हालांकि चीन के साथ हुए समझौते के विवरण के बारे में विस्तार से नहीं बताया।

उन्होंने कहा कि हर देश समझौता करना चाहता है और इसका हिस्सा बनना चाहता है। उनके प्रशासन के अधिकारी देशों के साथ समझौते करने के लिए अतिरिक्त मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, याद कीजिए , कुछ महीने पहले, मीडिया कह रहा था, क्या वाकई कोई ऐसा (देश) है जो इसमें दिलचस्पी रखता हो खैर, हमने कल ही चीन के साथ समझौता किया है। हम कुछ बेहतरीन समझौते कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, हम हर किसी के साथ समझौता नहीं करने जा रहे हैं। कुछ लोगों को हम बस एक पत्र भेजकर कहेंगे कि आपका बहुत-बहुत धन्यवाद.. आप 25, 35, 45 प्रतिशत का भुगतान करेंगे। यह एक आसान तरीका है लेकिन मेरे लोग इसे इस तरह से नहीं करना चाहते हैं। वे इसको लेकर कुछ करना चाहते हैं। समझौते करने की ललक उनमें मुझसे भी अधिक है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में एक भारतीय दल, अमेरिका के साथ अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को वाशिंगटन पहुंचा। दोनों देश अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं और नौ जुलाई से पहले समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश में हैं।

ट्रंप प्रशासन ने दक्षिणी सीमा पर सेना को घुसपैठियों को गिरफ्तार करने की अनुमति दी

सांता फे (अमेरिका)। अमेरिका का रक्षा विभाग देश की दक्षिणी सीमा पर एक सैन्य क्षेत्र का विस्तार कर रहा है, जहां सैनिकों को अवैध रूप से अमेरिका में घुसने वाले लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार दिया गया है ताकि उन पर राष्ट्रीय रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ के आरोपों पर मुकदमा चलाया जा सके। वायुसेना ने सोमवार को टेक्सास में सीमा के साथ 400 किलोमीटर लंबे एक संकरे हिस्से को अपने क्षेत्र में शामिल करने की घोषणा की। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सीमा पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किए जाने के बाद बढ़ रही सैन्य तैनाती का हिस्सा है। रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नौसेना को भी सीमा पर एक नया राष्ट्रीय रक्षा क्षेत्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया है, लेकिन उन्होंने इससे जुड़ी विस्तृत जानकारी नहीं दी। वायु सेना ने एक बयान में कहा कि नए राष्ट्रीय रक्षा क्षेत्र में सेना की जिम्मेदारियों में बेहतर निगरानी और पहचान और घुसपैठ करने वाले लोगों को अस्थाई रूप से हिरासत में लेना एवं उन्हें संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंपना शामिल है।

अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए : ट्रंप

बैंकॉक। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही भारत के साथ भी समझौता हो जाएगा। वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने ब्लूमबर्ग टीवी को बताया कि चीन के साथ इस सप्ताह की शुरुआत में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।ट्रंप और लुटनिक दोनों ने ही समझौते के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार देर रात कहा, हमने अभी-अभी चीन के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। लुटनिक ने कहा कि इस समझौते पर दो दिन पहले ही हस्ताक्षर किए गए। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति को समझौते करना करना है...हम एक के बाद एक समझौते करने जा रहे हैं। चीन ने किसी नए समझौते की घोषणा नहीं की है, लेकिन उसने इस सप्ताह की शुरुआत में घोषणा की कि वह दुर्लभ खनिजों के निर्यात की मंजूरी में तेजी ला रहा है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों में होता है। चीन का दुर्लभ खनिज के निर्यात को सीमित करना विवाद का मुख्य मुद्दा रही हैं। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन पार्टी के कर एवं व्यय कटौती विधेयक को पारित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, हमारे पास कुछ बेहतरीन समझौते हैं। हम एक और समझौता करने जा रहे हैं, संभवतः भारत के साथ। बहुत बड़ा। हम भारत के लिए रास्ते खोलने जा रहे हैं।

चीन के नौसेना प्रमुख और शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक एनपीसी से निष्कासित

» बीजिंग, भाषा।

चीन में शुक्रवार को नौसेना प्रमुख और एक शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक को नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से निष्कासित कर दिया गया। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, चीनी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और देश के राष्ट्रीय परमाणु निगम के उप मुख्य अभियंता लियू शिपेंग को एनपीसी से निष्कासित कर दिया गया है। खबर के मुताबिक, ली सेना के उन जनरल और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों में शामिल है, जिनके खिलाफ हाल में कार्रवाई की गई है।

इसमें कहा गया है कि ली और लियू की एनपीसी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि एनपीसी की स्थाई समिति ने शुक्रवार को अपने सत्र के समापन के दौरान शीर्ष जनरल मियाओ हुआ को केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के पद से हटाने के लिए भी मतदान किया। केंद्रीय सैन्य आयोग चीनी सेना का सर्वोच्च कमान है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति शी चिनफिंग करते हैं। चीनी सैन्य पदानुक्रम में सबसे युवा जनरल मियाओ पिछले साल नवंबर से अनुशासन के गंभीर उल्लंघन के लिए जांच के घेरे में हैं।

बारह दिनों के हमलों में लगभग तीस ईरानी कमांडरों को मार दिया : इजराइल

परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमले से अमेरिका के साथ वार्ता जटिल हो गई है : अराघची

» दुबई।, भाषा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपने तीन परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमले से गंभीर क्षति की बात स्वीकार करते हुए कहा है कि इसकी वजह से उनके देश के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के साथ नई वार्ता की संभावना जटिल हो गई है। अमेरिका 2015 के उस परमाणु समझौते में शामिल पक्षों में से एक था, जिसमें ईरान ने प्रतिबंधों में राहत और अन्य लाभों के बदले अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम का दायरा सीमित रखने पर सहमति जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान एकतरफा रूप से अमेरिका के इस समझौते से बाहर निकल जाने के बाद यह समझौता विफल हो गया था।

ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह ईरान के साथ नए सिरे से वार्ता में रुचि रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष अगले सप्ताह मिलेंगे। ईरान के

सरकारी टेलीविजन पर बृहस्पतिवार को प्रसारित एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस संभावना को खुला छोड़ दिया कि उनका देश अपने परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे पर फिर से वार्ता में शामिल होगा, हालांकि उन्होंने इस बात के संकेत दिए कि यह वार्ता जल्दी नहीं होगी। उन्होंने कहा, वार्ता फिर से शुरू करने के लिए कोई सहमति नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा, कोई समय निर्धारित नहीं किया गया है, कोई वादा नहीं किया गया है, और हमने वार्ता को फिर से शुरू करने के बारे में भी बात नहीं की है। अराघची ने कहा कि सैन्य हस्तक्षेप करने के अमेरिकी निर्णय ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता को और अधिक जटिल और कठिन बना दिया है। इजराइल ने 13 जून को ईरान पर हमला किया था और उसके परमाणु स्थलों, रक्षा प्रणालियों, उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को लगातार हमलों में निशाना बनाया। इजराइल ने कहा कि 12 दिनों तक हमलों में उसने लगभग 30 ईरानी कमांडरों को मार दिया और आठ परमाणु संबंधित केंद्रों तथा 720 से अधिक सैन्य बुनियादी ढांचों के स्थलों को निशाना बनाया। वाशिंगटन स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स समूह के अनुसार, कम से कम 417 नागरिकों सहित 1,000 से अधिक लोग मारे गए। ईरान ने इजराइल पर 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइल दागीं, जिनमें से अधिकांश को रोक दिया गया, लेकिन जो मिसाइल अंदर घुस गईं, उन्होंने कई क्षेत्रों में नुकसान पहुंचाया और 28 लोगों की जान ले ली। अमेरिका ने रविवार को ईरान में तीन बड़े हमलों को अंजाम देने के लिए बी-2 बमवर्षकों द्वारा क्रूज मिसाइलों और बंकर-बस्टर बमों की बौछार की। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने सोमवार को कतर में एक अमेरिकी बेस पर मिसाइल दागीं, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया , हालांकि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति पर नुकसान को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमलों से कुछ खास हासिल नहीं हुआ। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ईरान ने हमलों से पहले अपने यूरेनियम का बड़ा हिस्सा स्थानांतरित कर दिया था।

जापान में नौ लोगों की हत्या कर शवों के टुकड़े-टुकड़े करने के दोषी को फांसी दी गई

» तोक्यो, भाषा।

जापान में तोक्यो के निकट अपने अपार्टमेंट में नौ लोगों की हत्या करने और शवों के टुकड़े-टुकड़े करने के दोषी व्यक्ति को शुक्रवार को फांसी दे दी गई। न्याय मंत्रालय ने यह जानकारी दी। ट्विटर किलर के नाम से पहचाने जाने वाले ताकाहिरो शिराशी को 2017 में नौ लोगों की हत्या करने के जुर्म में 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी। इस घटना में मारे गए ज्यादातर लोगों ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या के विचार पोस्ट किए थे। शिराशी को उन महिलाओं के यौन शोषण का भी दोषी ठहराया गया, जिनकी उसने हत्या कर दी थी। यह फांसी ऐसे समय में दी गई है जब विश्व में सबसे लंबे समय से जेल की सजा काट रहे और मृत्युदंड पाने वाले इवाओ हाकामाडा को पिछले वर्ष बरी किए जाने के बाद से जापान में मौत की सजा को समाप्त करने की मांग बढ़ रही है। शिराशी को अत्यधिक सुरक्षा के बीच तोक्यो डिटेंशन हाउस में फांसी दी गई।

पुलिस ने 2017 में शिराशी के अपार्टमेंट में कोल्ड-स्टोरेज में आठ महिलाओं और एक पुरुष का शव मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया था। जांचकर्ताओं ने कहा कि

शिराशी ने ट्विटर (अब एक्स) के जरिए इन लोगों से संपर्क करके इन्हें आत्महत्या करने की इच्छा पूरी करने में मदद करने की पेशकश की थी। उसने किशोरियों समेत आठ महिलाओं से दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या कर दी और उनमें से एक महिला के प्रेमी की भी हत्या कर दी थी। जापान में आत्महत्या करने की दर दुनिया में सबसे अधिक है। हाल में इसमें गिरावट आने के बाद फिर से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। जापान की अपराध दर अपेक्षाकृत कम है, लेकिन हाल के वर्षों में वहां कुछ बड़ी सामूहिक हत्याओं की घटनाएं हुई हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,